संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -83 मंगलवार , 23 जनवरी 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

देशभर में दीपावली से ज्यादा जगमग

अयोध्या, 22 जनवरी 2024 (ए)। अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से रामभक्त उत्साहित हैं। देश-विदेश में रामभक्तों ने सारा दिन जहां धार्मिक समारोहों के माध्यम से खुशी जताई वहीं शाम को दीपकों की रोशनी से पूरा भारतवर्षजगमगा उठा। सोमवार शाम को अयोध्या 10 लाख दीयों से प्रकाशमय हो गई। रामभक्तों ने घरों, प्रतिष्ठानों, दुकानों और पौराणिक स्थलों पर राम ज्योति प्रज्ज्वलित की। अयोध्या सरयू नदी के तटों की मिट्टी से बने दीपों से रोशन हुई। रामलला, कनक भवन, हनुमानगढ़ी,गुप्तारघाट,सरयू तट,लता मंगेशकर चौक, मणिराम दास छावनी समेत 100 मंदिरों, प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर दीप जलाए गए।

राम मंदिर के बाद अयोध्या को मिलेगी शानदार मस्जिद

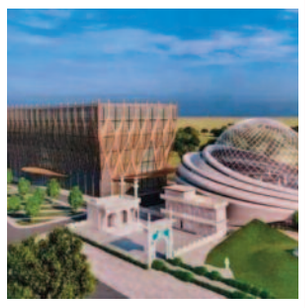

नईदिल्ली ,22 जनवरी 2024(ए)। राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरी अयोध्या जगमगा रही है। इस बीच वहां बनने वाली मस्जिद को लेकर भी बड़ी जानकारी सामने आई है। आज राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद रामलला विधिवत विराजमान हो गए हैं। इसी मौके पर अयोध्या में बनाई जाने वाली मस्जिद का निर्माण कब शुरू हो रहा है, इसे लेकर ऐलान कर दिया गया है।वक्फ बोर्ड ने मस्जिद निर्माण के लिए एक ट्रस्ट बनाया था जिसका नाम 'इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन' है। फाउंडेशन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस साल 'मई' से अयोध्या में भव्य मस्जिद का निर्माण शुरू कर दिया जाएगा और इसे पूरा होने में तीन-चार साल लगने की उम्मीद है।

पीएम का भाषण राम-राम से शुरू...जय सियाराम पर खत्म...35 मिनट में 114 बार लिया राम नाम

» पीएम मोदी ने कहा- कुछ लोग कहते थे, मंदिर बना तो आग लग जाएगी

अयोध्या,22 जनवरी 2024(ए)। अयोध्या में सोमवार को श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा कर दी गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य यजमान बने। दोपहर 12 बजे हल्की पीली धोती-कुर्ता पहने मंदिर आए। हाथ में थाल थी, जिसमें श्रीराम के लिए चांदी का छत्र था।

12.05 बजे गर्भगृह में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा शुरू हुई,जो करीब घंटेभर चला। इसमें प्रधानमंत्री शामिल रहे। उन्होंने भगवान की आरती कर चंवर डुलाया,फिर राम के चरणों में कमल रखकर परिक्रमा की और साष्टांग प्रणाम किया।

इससे पहले मोदी ने मुख्य पुजारी सत्येन्द्र दास से कलावा बंधवाया और उनके पैर छुए। संतों ने उन्हें उपहार स्वरूप सोने की अंगूठी भी भेंट की।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद मोदी मंदिर परिसर में मौजूद लोगों के सामने 11 दिन का व्रत तो ।। उसके बाद उन्होंने करीब 35 मिनट का भाषण दिया। इस दौरान 114 बार नाम का राम लिया।

मोदी के भाषण की अहम बातें

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा पर

मोदी बोले- रामलला अब टेंट में नहीं, दिव्य मंदिर में रहेंगे। राम मंदिर के निर्माण के बाद से देशवासियों में नया उत्साह पैदा हो रहा था। आज हमें सदियों की धरोहर मिली है, श्रीराम का मंदिर मिला है। 22 जनवरी, 2024 का ये सूरज एक अद्भुत आभा लेकर आया है। ये कैलेंडर पर लिखी एक तारीख नहीं, बल्कि ये एक नए कालचक्र का उद्गम है। लोग इसे हजारों साल याद करेंगे।

देश के माहौल पर

पीएम ने कहा- आज गांव-गांव में एक साथ कीर्तन, संकीर्तन हो रहे हैं। आज शाम घर-घर राम ज्योति प्रज्वलित करने की तैयारी है। पीएम ने कहा-अपने 11 दिन के व्रत-अनुष्ठान के दौरान मैंने उन स्थानों का चरणस्पर्श करने का प्रयास किया, जहां प्रभु राम के चरण पड़े थे। मेरा सौभाग्य है कि इसी पुनीत पवित्र भाव के साथ मुझे सागर से सरयू तक की यात्रा का अवसर मिला।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर

पीएम ने कहा- मैं प्रभु राम से क्षमा याचना करता हूं। हमारे त्याग,तपस्या,पूजा में कोई तो कमी रह गई होगी कि इतने साल मंदिर निर्माण का काम नहीं हो पाया। आज ये कमी पूरी हुई। भारत के संविधान की पहली प्रति में राम विराजमान हैं। दशकों तक प्रभु राम के अस्तित्व पर कानूनी लड़ाई चली। मैं न्यायपालिका का शुक्रगुजार हूं कि उसने लाज रख ली।

राम को लेकर विवाद पर

प्रधानमंत्री ने कहा-कई राष्ट्र अपने ही इतिहास में उलझ जाते हैं। जब भी उन्होंने इतिहास की गांठें सुलझाने का प्रयास किया मुश्किल परिस्थितियां बन गई। हमने जिस गांठ को भावुकता और समझदारी के साथ खोला है, वो बताता है कि भविष्य बहुत सुंदर होने जा रहा है। कुछ लोग कहते थे कि राम मंदिर बना तो आग लग जाएगी। राम मंदिर किसी आग को नहीं, ऊर्जा को जन्म दे रहा है। राम आग नहीं, ऊर्जा हैं। राम विवाद नहीं,राम समाधान हैं। राम सिर्फ हमारे नहीं,सबके हैं। राम वर्तमान नहीं, अनंत काल हैं। ये मंदिर महज देव मंदिर नहीं, भारत की दृष्टि-दर्शन का मंदिर है। राम भारत का विचार-विधान है। राम भारत का चिंतन, चेतना, प्रवाह, प्रभाव, नेति, निरंतरता है। राम विश्व हैं, विश्वात्मा हैं। इसलिए जब राम की स्थापना होती है तो उसका प्रभाव हजारों वर्षों के लिए होता है।

मुकेश अंबानी का पूरा परिवार पहुंचा अयोध्या,दिल खोलकर किया दान..

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में देश के तमाम उद्योगपति पहुंचे। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी अपने पूरे परिवार के साथ अयोध्या पहुंचे। एयरपोर्ट से पूरा परिवार भारी सुरक्षा के बीच राम मंदिर पहुंचा।

दरअसल देश के सबसे अमीर व्यक्ति और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी भी परिवार समेत अयोध्या पहुंचे। उनकी पत्नी नीता अंबानी, बेटी ईशा अंबानी,दामाद आनंद पीरामल,बेटे आकाश अंबानी-अनंत अंबानी और बहू श्लोका मौजूद रहीं। पूरे परिवार ने भगवान राम के दर्शन किए, इस मौके पर पूरा परिवार बेहद उत्साहित और खुश नजर आया।

मुकेश अंबानी परिवार की ओर से राम मंदिर ट्रस्ट को 2.51 करोड़ रुपये दान में दिए गए। इस मौके पर मुकेश अंबानी ने कहा कि भगवान श्री राम आ रहे हैं,22 जनवरी को पूरे देश में राम दिवाली होगी। उन्होंने कहा कि मैं इस क्षण का साक्षी बनकर सौभाग्यशाली हूं। तो वहीं नीता अंबानी बोलीं,पहले जय श्री राम... यह एक ऐतिहासिक दिन है. मुझे भारतीय संस्कृति पर गर्व है।

बोले-रामलला की मूर्ति बनाने वाले मूर्तिकार अरुण योगीराज

भगवान राम की इस मूर्ति को बनाने वाले मूर्तिकार का नाम अरुण योगीराज,जो मैसूर के रहने वाले हैं। प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद मूर्तिकार अरुण योगीराज ने कहा कि वह पृथ्वी पर सबसे भाग्यशाली व्यक्ति हैं। वह मानते हैं कि भगवान राम ने उन्हें इस कार्य के लिए चुना है। योगीराज ने कहा, मैंने हमेशा महसूस किया है कि भगवान राम मुझे और मेरे परिवार को हर बुरे समय से बचा रहे हैं और मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह वही हैं, जिन्होंने मुझे इस शुभ कार्य के लिए चुना है।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद एक संबोधन में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मंदिर वहीं बना है,जहां बनाने के संकल्प लिया था। सीएम ने कहा कि रामलला 500 साल बाद अपने मंदिर विराजे हैं। ऐसा लग रहा है मानों हम त्रेता युग में आ गए हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए बहुसंख्यक समाज ने संघर्ष किया और लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि आज हर घर में राम का नाम लिया जा रहा है। राम का जीवन हमें संयम सिखाता है और भारतीय समाज ने भी संयम का परिचय दिया। सीएम ने कहा कि अयोध्या धाम का भी विकास हो रहा है। एक जमाने में यह सपना था कि अयोध्या में हवाईअड्डा हो जो आज साकार हो रहा है.।

पांच सदी की प्रतीक्षा और प्रतिज्ञा पूर्ण हुई अमित शाह

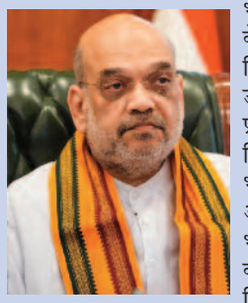

पांच सदी की प्रतीक्षा के बाद रामलला के अपने भव्य मंदिर में विराजमान होने पर भावविभोर गृहमंत्री अमित शाह ने इसे करोड़ों रामभक्तों के लिये कभी ना भूलने वाला दिन बताया। उन्होंने कहा कि इस भावना को शब्दों में समेट पाना संभव नहीं है। उन्होंने राम मंदिर निर्माण के संकल्प की सिद्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार जताया। नई दिल्ली। पांच सदी की प्रतीक्षा के बाद रामलला के अपने भव्य मंदिर में विराजमान होने पर भावविभोर गृहमंत्री अमित शाह ने इसे करोड़ों रामभक्तों के लिये कभी ना भूलने वाला दिन बताया। उन्होंने कहा कि इस भावना को शब्दों में समेट पाना संभव नहीं है।उन्होंने राम मंदिर निर्माण के संकल्प की सिद्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार जताया। शाह ने दिल्ली स्थित बिड़ला मंदिर में पूजा अर्चना की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किये पोस्ट में अमित शाह ने कहा कि इस पल की प्रतीक्षा में न जाने हमारी कितनी पीढ़ियां खप गई। लेकिन कोई भी डर और आतंक रामजन्मभूमि पर फिर से मंदिर बनाने के संकल्प और विश्वास को डिगा नहीं पाया।

कारसेवकों और संतों पर

प्रधानमंत्री ने कहा- ऋषियों ने कहा है कि जिसमें रम जाएं, उसी में राम है। हर युग में लोगों ने राम को जिया है। हर युग में लोगों ने अपने-अपने शब्दों, अपनी-अपनी तरह राम को व्यक्त किया है। ये राम रस निरंतर बहता रहता है। आज के इस ऐतिहासिक समय में देश उन व्यक्तित्वों को भी याद कर रहा है, जिनकी वजह से शुभ दिन देख रहे हैं। हम कारसेवकों, संत-महात्माओं के ऋणी हैं।

जय श्रीराम बोलने पर छात्र की पिटाई, शिक्षक व स्कूल डायरेक्टर गिरफ्तार

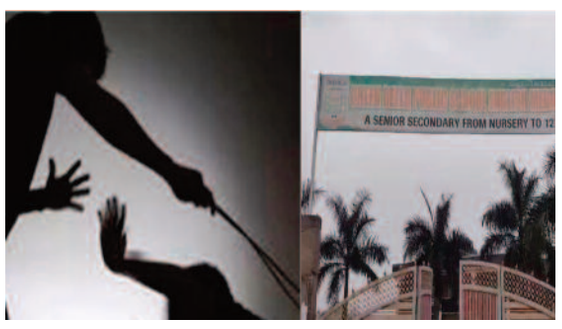

शहडोल,22 जनवरी 2024 (ए)। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में एक छात्र के जय श्रीराम के नारे लगाने पर शिक्षक द्वारा पिटाई कर दी गई । इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर शिक्षक और स्कूल के डायरेक्टर को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला बुढ़ार थाना क्षेत्र का है। यहां के एक निजी स्कूलों में शनिवार को सातवीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र नितिन ने शिक्षक की अनुपस्थिति में जय श्रीराम के नारे लगाए। ये नारे कक्षा के बाहर खड़े शिक्षक ने सुन लिए। आरोप है कि उसने डांटा और पिटाई भी कर दी।

छात्र नितिन और उसके परिजनों का आरोप है कि छात्र की ओर से शिक्षक अब्दुल वाहिद की स्कूल डायरेक्टर शरीफ नियाजी से शिकायत की गई, जिस पर शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई करने की बजाय छात्र को उन्होंने डांटा और स्कूल से जाने को कह दिया। इससे नाराज परिजन थाने पहुंच गए। उसके बाद स्थानीय लोगों तथा हिंदूवादी संगठनों से जुड़े लोगों ने नारेबाजी करते हुए शिक्षक और स्कूल डायरेक्टर की गिरफ्तारी की मांग की। बाद में पुलिस ने दोनों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया और गिरफ्तार भी कर लिया।

सभी दोषियों ने जेल में आत्मसमर्पण किया

नईदिल्ली,22 जनवरी 2024 (ए)। बिलकिस बानो के गैंगरेप मामले में सभी 11 दोषियों ने रविवार रात को गुजरात के पंचमहल जिले स्थित गोधरा उप जेल में आत्मसमर्पण कर दिया।रिपोर्ट के मुताबिक, सभी दोषी रात करीब 11:30 बजे 2 निजी वाहनों से सिंगवाड रणधीकपुर से गोधरा की जेल पहुंचे और जेल अधिकारी के सामने आत्मसमर्पण किया।बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने सभी दोषियों को रविवार तक आत्मसमर्पण करने को कहा था।गोधरा में हुए दंगों के दौरान बिलकिस बानो से गैंगरेप और उसके परिजनों की हत्या के 11 दोषियों की रिहाई को सुप्रीम कोर्ट ने 8 जनवरी को रद्द कर दिया था। यह रिहाई गुजरात सरकार की ओर से दी गई थी।न्यायमूर्ति बीवी नागरथाना और उज्जल भुइयां की पीठ ने गुजरात सरकार के इस कदम को गलत ठहराया और 2022 में स्वतंत्रता दिवस के दिन आजाद किए गए दोषियों को 2 सप्ताह के भीतर वापस जेल जाने का आदेश दिया।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दोषियों ने याचिका लगाकर आत्मसमर्पण के लिए अतिरिक्त समय मांगा। उन्होंने बीमारी से लेकर अपने बुजुर्ग मां-बाप की सेवा का हवाला दिया। कोर्ट ने शुक्रवार को सभी याचिकाएं खारिज कर दीं और तय समयसीमा के अनुसार 21 जनवरी तक आत्मसमर्पण करने को कहा।

मंदिर में प्रवेश नहीं मिलने के बाद धरने पर बैठे राहुल गांधी

नईदिल्ली,22 जनवरी 2024 (ए)। कांग्रेस पार्टी पूर्वोत्तर के राज्यों में भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाल रही है। कुछ जगहों पर कथित तौर पर कांग्रेस नेताओं के ऊपर हमले की भी खबर सामने आई है। वहीं आज भी राहुल गांधी के एक मंदिर में प्रवेश करने को लेकर काफी देर तक हंगामा होता रहा है। मंदिर में नहीं जाने से नाराज कांग्रेस सांसद राहुल गांधी धरने पर बैठ गए हैं। इसके साथ ही राहुल गांधी ने सरकार पर भी कई सारे सवालिया निशान खड़े किए हैं।

बता दें कि असम के नगांव जिले में स्थित वैष्णव संत शंकरदेव के जन्मस्थान पर जाने के लिए राहुल गांधी वहां पहुंचे हुए थे। लेकिन उन्हें बाहर ही रोक दिया गया। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि प्राधिकारी उन्हें नगांव स्थित श्री श्री शंकरदेव मंदिर में जाने की अनुमति नहीं दे रहे हैं। राहुल गांधी ने असम के नगांव स्थित मंदिर में जाने से रोके जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए प्राधिकारियों से पूछा कि क्या अब यह प्रधानमंत्री मोदी तय करेंगे कि मंदिर में कौन जाएगा? हम कोई समस्या पैदा नहीं करना चाहते, केवल मंदिर में पूजा करना चाहते हैं। वहीं मंदिर में जाने से रोके जाने के बाद राहुल गांधी कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ धरने पर बैठ गए।

वहीं असम में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के काफिलों पर हो रहे कथित हमलों को लेकर कांग्रेस ने घोषणा की है कि वह इन हमलों के विरोध में सोमवार शाम को देश भर में प्रदर्शन करेगी। रविवार को देर रात सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि असम में यात्रा के प्रवेश करने के बाद से भारत में सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री अपने गुंडों का इस्तेमाल कर हमारे काफिलों, संपत्ति और नेताओं पर लगातार हमले कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह एक ऐसा मामला है जिसे हर भारतीय को गंभीरता से लेना चाहिए क्योंकि यह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के फासीवाद और गुंडागर्दी को उजागर करता है। पूरे भारत में सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया जाता है कि वे कल शाम बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करें और उजागर करें कि कैसे (नरेन्द्र) मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा असम में अपने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के माध्यम से लोकतंत्र की हत्या कर रही है। उन्होंने कहा, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के लिए हमारी लड़ाई निरंतर जारी रहेगी।

पीएम मोदी ने किया बड़ा एलान

» देशभर में शुरू होगी यह योजना एक करोड़ लोगों को मिलेगा फायदा

» भगवान राम के आलोक से सभी भक्तगण ऊर्जा प्राप्त करते हैं

» 1 करोड़ घरों पर रूफटॉप सोलर लगाने का लक्ष्य

नईदिल्ली,22 जनवरी 2024(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल रहे। अयोध्या से लौटते ही उन्होंने नई दिल्ली में मीटिंग की, जिसके बाद गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए बड़ी घोषणा की। मोदी सरकार ने देश में एक करोड़ घरों की छत पर रूफटॉप सोलर लगाने का लक्ष्य रखा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर ट्वीट करके प्रधानमंत्री सोलर योजना की घोषणा की। इस योजना ने गरीब और मध्यम वर्ग का बिजली बिल कम होगा। साथ ही भारत के ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने में भी मदद मिलेगी।

भगवान राम के आलोक से सभी भक्तगण ऊर्जा प्राप्त करते हैं।

उन्होंने कहा, सूर्यवंशी भगवान श्री राम के आलोक से विश्व के सभी भक्तगण सदैव ऊर्जा प्राप्त करते हैं। आज अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर मेरा ये संकल्प और प्रशस्त हुआ कि भारतवासियों के घर की छत पर उनका अपना सोलर रूफ टॉप सिस्टम हो।

प्राण-प्रतिष्ठा पर धार्मिक कार्यक्रम की अनुमति न देने पर सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को लगाई फटकार

नईदिल्ली,22 जनवरी 2024(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तमिलनाडु सरकार को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर हिंदू निवासियों की कम संख्या के आधार पर अन्नदानम (विशेष भिक्षा) आयोजित करने की अनुमति देने से इनकार करने पर फटकार लगाई। गाँव में मुख्य रूप से ईसाई निवास करते हैं।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अमित आनंद तिवारी से कहा, हम यह स्पष्ट कर रहे हैं कि आप (राज्य सरकार) इस कारण से घटनाओं को अस्वीकार न करें। हां, अगर कानून-व्यवस्था की स्थिति हो तो आप नियमन

कर सकते हैं। हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि हम अनुमति न दिए जाने का कारण जानना चाहते हैं। यदि यही कारण बताया जाएगा, तो आप समस्या में पड़ जाएंगे।पीठ में न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता भी शामिल थे। अदालत एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि द्रमुक के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने पूरे तमिलनाडु के सभी मंदिरों में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के सीधे प्रसारण पर प्रतिबंध लगा दिया है और सभी प्रकार की पूजा, अर्चना, इस अवसर पर अन्नदानम (गरीब भोजन) और भजन पर भी प्रतिबंध लगा दिया है।

संपादकीय

विपक्ष की सभी पार्टियों के नेताओं पर तलवार

लोकसभा चुनाव से पहले केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई तेज हो गई। विपक्ष की सभी पार्टियों के नेताओं पर तलवार लटकी है। विपक्ष की कोई पार्टी नहीं बची है, जिसके नेता या नेताओं के परिजनों को समन नहीं जा रहा है या पूछताछ नहीं हो रही है या उसके यहां छापा नहीं पड़ रहा है। छोटे से लेकर बड़े नेता तक केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई में उलझे हैं। चुनाव की घोषणा एक-डेढ़ महीने में होने वाली है और उससे पहले सभी पार्टियों के नेता कानूनी कार्रवाई में लगे हैं। कांग्रेस के लिए बड़े महत्व का काम करने वाले हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंदर सिंह हुड्डा से ईडी ने जमीन से जुड़े एक मामले में पूछताछ की है। राजस्थान में कांग्रेस के बड़े नेता और पिछली सरकार में मंत्री रहे महेश जोशी के यहां जल जीवन मिशन में कथित घोटाले को लेकर ईडी ने छापा मारा है। इसी तरह पंजाब में कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे साधु सिंह धर्मसोत को एक कथित घोटाले में ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का नाम महादेव बेटिंग ऐप घोटाले में शामिल कर दिया गया है।

कांग्रेस के अलावा आम आदमी पार्टी पर भी शिकंजा कसा है। उसके दो बड़े नेता-मनीष सिसोदिया और संजय सिंह जेल में बंद हैं। शराब नीति में हुए कथित घोटाले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चार समन मिल चुके हैं। केजरीवाल चौथे समन पर भी हाजिर नहीं हुए हैं। अब उनको पांचवां समन जारी होगा। उधर झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से 20 जनवरी को ईडी की पूछताछ होनी है। उनको आठ समन भेजे गए थे तब जाकर पूछताछ का समय तय हुआ है। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे के करीबी रहे एक व्यक्ति को कोरोना के समय हुए कथित खिचड़ी घोटाले में गिरफ्तार कर लिया गया है। के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता को भी दिल्ली की शराब नीति में हुए कथित घोटाले में समन जारी हुआ था। बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पिछले समन पर ईडी के सामने हाजिर नहीं हुए थे। उनको फिर कभी भी समन जारी हो सकता है। जमीन के बदले रेलवे में नौकरी के मामले में लालू प्रसाद के परिवार के पांच सदस्य आरोपी बनाए जा चुके है। उधर पश्चिम बंगाल में भी हर हफ्ते छापे पड़ रहे हैं।

क्रांतिकारी योद्धा थे नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू, राजस्थान

आजादी की जंग में प्रमुख भूमिका निभाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और महान क्रांतिकारी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 23 जनवरी को 126 वीं जयंती मनाई जा रही है। उनकी जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनका पूरा जीवन ही साहस व पराक्रम का उदाहरण है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा में कटक के एक संपन्न बंगाली परिवार में हुआ था। बोस के पिता का नाम जानकीनाथ बोस और मां का नाम प्रभावती था। जानकीनाथ बोस कटक शहर के मशहूर वकील थे। प्रभावती और जानकीनाथ बोस की कुल मिलाकर 14 संतानें थी, जिसमें 6 बेटियां और 8 बेटे थे। सुभाष चंद्र उनकी नौवीं संतान और पांचवें बेटे थे। नेताजी ने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई कटक के रेवेंशॉव कॉलेजिएट स्कूल में हुई। तत्पश्चात् उनकी शिक्षा कलकत्ता के प्रेजिडेंसी कॉलेज और स्कॉटिश चर्च कॉलेज से हुई। उनको उन्होने इंग्लैंड के केंब्रिज विश्वविद्यालय से सिविल सर्विस की परीक्षा में चैथा स्थान प्राप्त किया था। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वारा दिया गया जय हिन्द का नारा भारत का राष्ट्रीय नारा बन गया है। तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा का नारा भी उनका उस समय अत्यधिक प्रचलन में आया। 1921 में भारत में बढ़ती राजनीतिक गतिविधियों का समाचार पाकर बोस ने सिविल सर्विस की सरकारी नौकरी छोड़ कर कांग्रेस से जुड़ गए। 1928 में जब साइमन कमीशन भारत आया तब कांग्रेस ने उसे काले झण्डे दिखाये। कोलकाता में नेताजी ने इस आन्दोलन का नेतृत्व किया। साइमन कमीशन को जवाब देने के लिये कांग्रेस ने भारत का भावी संविधान बनाने का काम आठ सदस्यीय आयोग को सौंपा। मोतीलाल नेहरू इस आयोग के अध्यक्ष और सुभाष बोस उसके एक सदस्य थे।

26 जनवरी 1931 को कोलकाता में राष्ट्र ध्वज फहराकर सुभाष एक विशाल मोर्चे का नेतृत्व कर रहे थे तभी पुलिस ने उनको जेल भेज दिया। जब सुभाष बोस जेल में थे तब गांधी जी ने अंग्रेज सरकार से समझौता किया और सब कैदियों को रिहा करवा दिया। लेकिन अंग्रेज सरकार ने सरदार भगत सिंह जैसे क्रान्तिकारियों को रिहा करने से साफ इन्कार कर दिया। भगत सिंह की फांसी माफ कराने के लिये गांधी जी ने सरकार से बात तो की परन्तु नरमी के साथ। सुभाष चाहते थे कि इस विषय पर गांधीजी अंग्रेज सरकार के साथ किया गया समझौता तोड़ दें। लेकिन गांधीजी अपना वचन तोडने को राजी नहीं थे। अंग्रेज सरकार द्वारा भगत सिंह व उनके साथियों को फांसी दे दी गयी। भगत सिंह को बचा नहीं पाने पर सुभाष बोस गांधीजी और कांग्रेस से बहुत नाराज हो गये। 1930 में सुभाष कारावास में रहते हुये ही कोलकाता महापौर का चुनाव जीतने पर सरकार उन्हें रिहा करने पर मजबूर हो गयी। 1932 में सुभाष को फिर से कारावास हुआ। इस बार उन्हें अल्मोड़ा जेल में रखा गया। अल्मोड़ा जेल में उनकी तबियत फिर से खराब होने पर सुभाष इलाज के लिये यूरोप चले गये। सन् 1933 से लेकर 1936 तक सुभाष यूरोप में रहे। यूरोप में सुभाष इटली के नेता मुसोलिनी से मिले। जिन्होंने उन्हें भारत के स्वतन्त्रता संग्राम में सहायता करने का वचन दिया।

1938 में गांधीजी ने कांग्रेस के हरिपुरा वार्षिक अधिवेशन में अध्यक्ष पद के लिए सुभाष को चुना तो था मगर उन्हें उनकी कार्यपद्धति पसन्द नहीं आयी।

इसी दौरान यूरोप में द्वितीय विश्वयुद्ध के बादल छा गए थे। सुभाष चाहते थे कि इंग्लैंड की इस कठिनाई का लाभ उठाकर भारत का स्वतन्त्रता संग्राम अधिक तीव्र किया जाये। उन्होंने अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में इस ओर कदम उठाना भी शुरू कर दिया था। परन्तु गांधीजी इससे सहमत नहीं थे। 1939 में जब नया कांग्रेस अध्यक्ष चुनने का वक्त आया तब सुभाष चाहते थे कि कोई ऐसा व्यक्ति अध्यक्ष बनाया जाये जो इस मामले में किसी दबाव के आगे बिल्कुल न झुके। ऐसा किसी दूसरे व्यक्ति के सामने न आने पर सुभाष ने स्वयं कांग्रेस अध्यक्ष बने रहना चाहा। लेकिन गांधीजी उन्हें अध्यक्ष पद से हटाना चाहते थे। गांधीजी ने अध्यक्ष पद के लिये पट्टाभि सीतारमैया को चुना। बहुत बरसों बाद कांग्रेस पार्टी में अध्यक्ष पद के लिये चुनाव हुआ।चुनाव में नेताजी सुभाष को 1580 मत व सीतारमैय्या को 1377 मत मिले। गांधीजी के विरोध के बावजूद सुभाष बाबू 203 मतों से चुनाव जीत गये। गांधीजी ने पट्टाभि सीतारमैय्या की हार को अपनी हार बबताया। इसके बाद कांग्रेस कार्यकारिणी के 14 में से 12 सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया। 3 मई 1939 को सुभाष ने फॉरवर्ड ब्लॉक के नाम से अपनी पार्टी की स्थापना की। सुभाष चंद्र बोस ने 1937 में अपनी सेक्रेटरी और ऑस्ट्रियन युवती एमिली से शादी की। उन दोनों की अनीता नाम की एक बेटी भी हुई।

जर्मनी जाकर नेताजी हिटलर से मिले। 1943 में उन्होने जर्मनी छोड़ दिया। वहां से वह जापान पहुंचे। जापान से वह सिंगापुर पहुंचे। जहां उन्होंने कैप्टन मोहन सिंह द्वारा स्थापित आजाद हिंद फौज की कमान अपने हाथों में ले ली। उस वक्त रास बिहारी बोस आजाद हिंद फौज के नेता थे। उन्होंने आजाद हिंद फौज का पुनर्गठन किया। महिलाओं के लिए रानी झांसी रेजिमेंट का भी गठन किया लक्ष्मी सहगल जिसकी कैप्टन बनी।

नेताजी के नाम से प्रसिद्ध सुभाष चन्द्र ने सशक्त क्रान्ति द्वारा भारत को स्वतंत्र कराने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर 1943 को आजाद हिन्द सरकार की स्थापना की जिसे जर्मनी, जापान, फिलीपींस, कोरिया, चीन, इटली, मान्चुको और आयरलैंड ने मान्यता दी। आजाद हिन्द फौज के प्रतीक चिह्न पर एक झंडे पर दहाड़ते हुए बाघ का चित्र बना होता था। नेताजी अपनी आजाद हिंद फौज के साथ 4 जुलाई 1944 को बर्मा पहुँचे। यहीं पर उन्होंने अपना प्रसिद्ध नारा, तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा दिया। खून भी एक दो बूँद नहीं इतना कि खून का एक महासागर तैयार हो जाये और उसमें मैं ब्रिटिश साम्राज्य को डूबो सकूं। 1944 को आजाद हिन्द फौज ने अंग्रेजों पर दोबारा आक्रमण किया और कुछ भारतीय प्रदेशों को अंग्रेजों से मुक्त भी करा लिया।

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान आजाद हिन्द फौज ने जापानी सेना के सहयोग से भारत पर आक्रमण किया। अपनी फौज को प्रेरित करने के लिये नेताजी ने दिल्ली चलो का नारा दिया। दोनों फौजों ने अंग्रेजों से अंदमान और निकोबार द्वीप जीत लिये। यह द्वीप आजाद-हिन्द सरकार के नियंत्रण में रहे। नेताजी ने इन द्वीपों को शहीद द्वीप और स्वराज द्वीप का नया नाम दिया। दोनों फौजों ने मिलकर इंफाल और कोहिमा पर आक्रमण किया। लेकिन बाद में अंग्रेजों का पलड़ा भारी पड़ा और दोनों फौजों को पीछे हटना पड़ा।

6 जुलाई 1944 को आजाद हिन्द रेडियो पर अपने भाषण के माध्यम से नेताजी ने गांधी जी को पहली बार राष्ट्रपिता बुलाकर अपनी जंग के लिये उनका आशीर्वाद भी मांगा। आजाद हिन्द फौज के माध्यम से भारत को अंग्रेजों के चंगुल से आजाद करने का नेताजी का प्रयास प्रत्यक्ष रूप में सफल नहीं हो सका। किन्तु उसका दूरगामी परिणाम हुआ। सन् 1946 के नौसेना विद्रोह इसका उदाहरण है। नौसेना विद्रोह के बाद ही ब्रिटेन को विश्वास हो गया कि अब भारत में सेना के बल पर शासन नहीं किया जा सकता और भारत को स्वतन्त्र करने के अलावा उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा।

विश्व इतिहास में आजाद हिंद फौज जैसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। जहां 30-35 हजार युद्ध बंदियों को संगठित, प्रशिक्षित कर अंग्रेजों को पराजित किया। पूर्व एशिया और जापान पहुंच कर उन्होंने आजाद हिन्द फौज का विस्तार करना शुरू किया। रंगून के जुबली हॉल में सुभाष चंद्र बोस द्वारा दिया गया भाषण सदैव के लिए इतिहास के पत्रों में अंकित हो गया। नेताजी की मृत्यु के संबध में विवाद बना हुआ है कि 18 अगस्त 1945 के बाद का सुभाषचन्द्र बोस का जीवन-मृत्यु आज तक अनसुलझा रहस्य बना हुआ है।

मेरे राम आए हैं

कण-कण में देखो ,
भगवान श्री राम समाए हैं,
सबके मन देखो,
दर्शन के लिए ललचाए हैं,
बहुत वर्षो बाद देखो,
आई है आज शुभ घड़ी,
देखो देखो अयोध्या में,
आज फिर मेरे राम आए हैं।
गली गली सजी है,
आज फूलों से,
महक उठा है,
चमन चमन,
दूर-दूर से दर्शन करने,
श्री राम लला के,
देखो आज,
हम भी अयोध्या आए हैं।
जन-जन के मन में,
राम बसते आए हैं,
सबके बिगड़े कामों को,
श्री राम बनाते आए हैं,
धन्य हो गया आज हर,
एक जनमानस,
देखो देखो अयोध्या में,
आज फिर मेरे राम आए हैं।
दुल्हन जैसे सज गई है,
आज अयोध्या नगरी,
खुशियों से भरी हुई जैसे,
छलक गई है गगरी,
रोम रोम पुलकित,
हो उठा है आज,
देखो देखो अयोध्या में,
आज फिर मेरे राम आए हैं...

डॉक्टर जय महलवाल
ई01,प्रोफेसर कॉलोनी
राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर
बिलासपुर हिमाचल प्रदेश

देश में कुल कितने लोग हैं खुशहाल ?

अमेरिकी इन्वेस्टमैंक गोल्डमैन शैक्स ने भारतीय बाजार के बारे में एक नई रिपोर्ट पेश की है। उसके मुताबिक भारत में महंगी वस्तुओं (यानी प्रीमियम गुड्स) का बाजार अब छह करोड़ लोगों का हो चुका है है। गोल्डमैन शैक्स ने अनुमान लगाया है कि 2027 तक भारतीय बाजार दस करोड़ लोगों का हो जाएगा। इस इन्वेस्टमेंट बैंक ने प्रीमियम गुड्स के बाजार में उन लोगों को शामिल किया है, जिनकी सालाना आमदनी दस हजार डॉलर (यानी लगभग साढ़े आठ लाख रुपये) से ज्यादा है। भारत में 70 हजार रुपये से अधिक आय वर्ग में आने वाले लोगों की संख्या सिर्फ छह करोड़ है। उससे नीचे की सारी आबादी इस आय से कम पर गुजारा कर रही है।

चालू वित्त वर्ष में भारत सरकार ने प्रत्यक्ष करों से 17.2 लाख करोड़ रुपये की आमदनी का अनुमान लगाया था। सरकार की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक दिसंबर की समाप्ति तक सरकार 14.7 लाख करोड़ की रकम इस माध्यम से वसूल चुकी थी। यानी 2023-24 के लिए तय लक्ष्य का 81 प्रतिशत हासिल कर लिया गया था। चूंकि हमेशा ही आखिरी तीन महीनों में सबसे ज्यादा कर्ज उगाही होती है, इसलिए सरकार का यह अनुमान दुरुस्त है कि इस वित्त वर्ष में उसे लक्ष्य से भी ज्यादा प्रत्यक्ष कर प्राप्त हो सकते हैं।

किसी अर्थव्यवस्था में प्रत्यक्ष करों से अधिक राजस्व जुटाने को एक स्वस्थ नीति माना जाता है। प्रत्यक्ष कर समृद्ध तबकों से आता है, जबकि परोक्ष कर का सभी तबकों पर- चाहे वे धनी हों या गरीब समान बोझ पड़ता है। दरअसल, अगर माली हालत को पैमाना बना कर समझें, तो गरीब तबकों को अपनी कमजोर स्थिति के कारण यह बोझ ज्यादा महसूस होता है। नरेंद्र मोदी सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), उत्पाद शुल्क, विभिन्न प्रकार के उप कर (सेस) आदि के जरिए परोक्ष करों का भारी बोझ लोगों पर डाला है। इसका परिणाम यह हुआ कि एक समय परोक्ष करों से होने वाली आमदनी प्रत्यक्ष करों की तुलना में ज्यादा हो गई। लेकिन अब एक बार फिर प्रत्यक्ष करों से अधिक आमदनी की स्थिति बन गई है।

ये दीगर बात है कि परोक्ष करों में कोई कमी नहीं हुई है। यानी आम जन पर टैक्स की भारी मार अब भी पड़ रही है। लेकिन इस बीच अर्थव्यवस्था के स्वरूप को इस तरह ढाला गया है, जिससे प्रत्यक्ष करों से आमदनी में भारी इजाफा हुआ है। ऐसा इसलिए हुआ है, क्योंकि सरकार के ज्यादा से ज्यादा संसाधनों को कुछ हाथों में सौंपने की नीति काफी आगे बढ़ चुकी है। आबादी की निम्न श्रेणियों से ऊपरी श्रेणियों की तरफ धन ट्रांसफर करने की इस नीति के तहत ऊपरी टॉप पांच से दस प्रतिशत लोगों की आमदनी एवं धन में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई है। कॉरपोरेट सेक्टर में मोनोपॉली को प्रोत्साहित करने की नीति सरकार ने अपना रखी है, जिससे कुछ कंपनियों की आय में भारी इजाफा हुआ है। नतीजा है कि ऐसे व्यक्ति और कंपनियां अधिक इनकम टैक्स एवं कॉरपोरेट टैक्स दे रहे हैं।

इसके अलावा अर्थव्यवस्था का अधिक से अधिक वित्तीयकरण करने की राह पर भी सरकार चली है। इस तरह शेयर,ऋण,बॉन्ड बाजार में निवेश को बढ़ावा दिया गया है। इससे लाखों की संख्या में नए लोगों ने शेयर खरीद-बिक्री के कारोबार में कदम रखा है। बहुत से ऐसे लोग जो प्रत्यक्ष रूप से इस कारोबार में नहीं हैं, उन्होंने म्युचुअल फंड्स के जरिए शेयर बाजार में पैसा लगाया है। इन कारणों से शेयर मार्केट तेजी से चढ़ा है। इसका लाभ इस बाजार से जुड़े तमाम लोगों को मिला है।

चूंकि ऐसी हर आमदनी पर लोगों को टैक्स देना होता है, अतः इसका फायदा सरकार को भी मिल रहा है। अल्पकालिक पूंजीगत निवेश कर और लाभांश कर से अब सरकार को काफी राजस्व प्राप्त हो रहा है।अर्थव्यवस्था के यह रूप लेने का परिणाम है कि भारत के प्रीमियम बाजार में विस्तार हुआ है। इससे पश्चिमी कंपनियों और निवेशकों के लिए भारत एक आकर्षक जगह बना है। गौरतलब है कि कंपनियां और इन्वेस्टमेंट बैंक किसी अर्थव्यवस्था के आकार का आकलन वहां मौजूद उपभोक्ता वर्ग की आमदनी और क्रय शक्ति के आधार पर करती हैं। इसलिए बोलचाल में भले भारत को एक अरब 40 करोड़ लोगों का बाजार कहा जाता हो,लेकिन असल में किसी कंपनी की निगाह में बाजार से मतलब उन लोगों से होता है, जो उसके उत्पाद खरीद सकने की क्षमता रखते हों।

अब अमेरिकी इन्वेस्टमैंक गोल्डमैन शैक्स ने भारतीय बाजार के बारे में एक नई रिपोर्ट पेश की है। उसके मुताबिक भारत में महंगी वस्तुओं (यानी प्रीमियम गुड्स) का बाजार अब छह करोड़ लोगों का हो चुका है है। गोल्डमैन शैक्स ने अनुमान लगाया है कि 2027 तक भारतीय बाजार दस करोड़ लोगों का हो जाएगा। इस इन्वेस्टमेंट बैंक ने प्रीमियम गुड्स के बाजार में उन लोगों को शामिल किया है, जिनकी सालाना आमदनी दस हजार डॉलर (यानी लगभग साढ़े आठ लाख रुपये) से ज्यादा है।

बैंक का अनुमान है कि 2015 में इस आय वर्ग में दो करोड़ 40 लाख लोग थे। पिछले नौ वर्षों में इन तबके की संख्या दो गुना से भी ज्यादा बढ़ी है। इसका फायदा जेवरात और महंगी कारों के उद्योग के साथ-साथ सेवा क्षेत्र में पर्यटन, रेस्तरां, होटल, और हेल्थकेयर के कारोबार को भी मिला है। चूंकि आने वाले तीन वर्षों में इस आय वर्ग के लोगों की संख्या में और वृद्धि का अनुमान है, इसलिए ऐसे कारोबार से जुड़ी कंपनियों के लिए भारतीय बाजार का आकर्षण बढ़ना स्वाभाविक है। और इन वस्तुओं और सेवाओं की बिक्री पर जीएसटी लगता है, तो इस परोक्ष कर से सरकार की अधिक आमदनी भी लाजिमी है।

गोल्डमैन शैक्स ने कहा है- पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत में वित्तीय एवं ठोस संपत्तियों में महत्त्वपूर्ण बढ़ोतरी हुई है, जिसके परिणामस्वरूप धन में वृद्धि हो रही है। हालांकि सोना और जायदाद में धन के निवेश की प्रवृत्ति बनी हुई है, लेकिन पिछले पांच वर्षों में एक बड़ा बदलाव यह देखा गया है कि लोग सीधे शेयर खरीदने या फिर म्युचुअल फंड्स के जरिए शेयर बाजार में अधिक पैसा लगा रहे हैं।÷

लेकिन इसी रिपोर्ट में आमदनी की सर्वोच्च और मध्य श्रेणियों में शामिल लोगों के बीच खर्च क्षमता बढ़ने की हकीकत का भी जिक्र है। इसमें इस बात की ओर ध्यान खींचा गया है कि भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद आज भी तीन हजार डॉलर से कम है। (असल में यह ढाई हजार डॉलर के आसपास ही है।) रिपोर्ट में जिक्र है कि भारत में 96 करोड़ लोगों के पास डेबिट कार्ड हैं और सवा नौ करोड़ लोगों के पास पोस्ट पेड मोबाइल फोन कनेक्शन हैं। इसके बावजूद सिर्फ तीन करोड़ ऐसे लोग हैं, जिनके पास अपना वाहन (यानी कार) रखने की क्षमता है।

इस रिपोर्ट का अर्थ है कि भारत में 70 हजार रुपये से अधिक आय वर्ग में आने वाले लोगों की संख्या सिर्फ छह करोड़ है। उससे नीचे की सारी आबादी इस आय से कम पर गुजारा कर रही है। यह वो तबका है, जिसकी वास्तविक आय गिरी है। उसका एक कारण तो जीएसटी भी है। दूसरा कारण महंगाई है।

दिसंबर में मुद्रास्फीति दर चार महीनों के सबसे ऊंचे स्तर पर यानी 5.7 प्रतिशत पर पहुंच गई। लेकिन उसके बीच गौरतलब तथ्य है कि दिसंबर में खाद्य पदार्थों की महंगाई दर 9.5 प्रतिशत रही। शहरों में तो यह दस फीसदी से ऊपर रही।

भोजन सबसे अनिवार्य खर्च है। इसकी महंगाई दर वर्षों से आम मुद्रास्फीति दर से ऊपर बनी हुई है। यह अर्थशास्त्र की एक आम समझ है कि जिस परिवार की आमदनी जितनी कम होती है, उसका भोजन पर खर्च आय के अनुपात में उतना ही ज्यादा होता है। तो समझा जा सकता है कि गरीब और सामान्य वर्ग पर खाद्य महंगाई की अधिक मार पड़ती है। इसलिए उसकी आमदनी की क्रय-शक्ति गिरती गई है।

एक तथ्य यह भी है कि महंगाई बढ़ने के साथ सरकार की जीएसटी से होने वाली आमदनी भी बढ़ती है। सरकार यह टैक्स प्रतिशत में लेती है। तो 18 प्रतिशत टैक्स दायरे वाली कि एक वस्तु की कीमत दस रुपया होने पर सरकार को अगर एक रुपया 80 पैसे मिलेंगे, लेकिन उस वस्तु की कीमत 12 रुपया हो जाए, तो सरकार को दो रुपये छह पैसे का राजस्व मिलेगा। जीएसटी से अधिक उगाही के पीछे एक भी एक प्रमुख कारण है।

निहितार्थ यह कि गैर बराबरी की अर्थव्यवस्था समाज के ऊपरी आय वर्गों के लिए अत्यंत लाभदायक है, वहीं यह सरकार के लिए भी फायदे की बात है। इन दोनों के फायदों का नुकसान बाकी आबादी को हो रहा है। इसके बावजूद सत्ताधारी दल लोकप्रिय बना हुआ है, तो उसका अपना गतिशास्त्र है।दरअसल भारत की आज की राजनीतिक अर्थव्यवस्था (पॉलिटिकल इकॉनमी) को अगर समझना हो, तो ताजा सामने आए आंकड़े बेहद काम के हैं। आखिर जिसे हम लोकतंत्र कहते हैं, अक्सर उसमें वही पार्टियां सफल होती हैं, जिन्हें उस समाज के समृद्ध वर्ग का समर्थन हासिल हो। इसी वर्ग के पास पार्टियों को चंदा देने, उनके लिए प्रचार तंत्र जुटाने और किसी नैरेटिव को लोकप्रिय बना देने की क्षमता होती है। बाकी वर्गों के मतदाता उन्हीं नैरेटिव्स से प्रेरित होते हैं। समृद्ध तबके अपना दांव उस पार्टी पर लगाते हैं, जिसकी नीतियां उन्हें अपने हितों के अनुकूल लगती हैं। फिलहाल यह समर्थन अगर भारतीय जनता पार्टी के साथ है, तो क्यों, यह उपरोक्त आंकड़ों से बेहतर समझा जा सकता है।

-सत्येन्द्र रंजन-

सोशल मीडिया पर वायरल

काल्पनिक प्रभू राम से जोड़ा 500 का नोट

केशी गुप्ता
द्वारका
दिल्ली

माया यानी कि पैसा,जो इंसान के जीवन की एक ऐसी जरूरत है जिससे वह अपनी सभी ज़रूरतें पूरी करता है। बिना पैसे के व्यक्ति का जीवन निर्वाह करना नामुमकिन है। प्राचीन काल में कहीं इतिहास के पन्नों में मुद्रा के आने से पहले बार्टर सिस्टम का जिक्र मिलता है। जब समाज मुद्रा अर्थव्यवस्था पर आधारित नहीं था । मानव अपनी जरूरत की चीजों का एक दूसरे से आदान-प्रदान कर जीवन निर्वाह करता था । जैसे एक व्यक्ति गेहूं का उत्पादन करता था तो वह गेहूं देकर दूसरे से चावल ले लेता था। इस व्यवस्था ने आदमी को आदमी से बांध रखा था। परंतु समय परिवर्तन के साथ मुद्रा अर्थव्यवस्था प्रचलित हुई । जो समय-समय पर बदलती रही । नई-नई तरह की मुद्राएं हर समय में आती रही। आज आधुनिक समय में पैसे की एक होड़ देखने को मिलती है। पिछले कई सालों में पुरानी करेंसी को खत्म कर आरबीआई द्वारा कई तरह के छोटे बड़े नोटों तथा सिक्कों में बदलाव किया गया है। भारतीय मुद्रा में एक तरफ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और दूसरी तरफ लाल किले की तस्वीर छपी दिखाई देती है । जिसे लेकर कई तरह के मत देखने को मिलते रहे हैं ।

सोशल मीडिया पर अयोध्या राम प्राण प्रतिष्ठा को ले कर अभी हाल ही में 500 के नोट पर एक ओर भगवान राम ,अयोध्या मंदिर की तस्वीर छपी दिखाई दे रही है। जो बहुत वायरल हो रही है । क्या यह कल्पना यथार्थ रूप ले सकती है ? सवाल यह उठता है कि क्या प्रभु राम और मंदिर की तस्वीर का किसी भी मुद्रा पर होना मर्यादित होगा? क्या इस तरह की कल्पना धार्मिक लोगों की आस्था और पवित्रता पर सवाल खड़ा नही करती? पैसा एक ऐसी चीज है जिसे हर व्यक्ति अपनी जेब ,अपने पर्स इत्यादि में लेकर चलता है। ज्यादातर पर्स चमड़े के होते हैं । हर व्यक्ति चाहे वह किसी भी स्थान पर जाए उसकी जेब में सदैव पैसा रहता है। शौचालय जाते समय भी व्यक्ति का पर्स ,उसके पैसे उसकी जेब में रहते हैं । पैसा कई हाथों से हो कर निकलता है। क्या व्यक्ति हर बार 500 रुपए का नोट पकड़ने से पहले हाथ धोएगा ? क्या शौचालय जाने से पहले वह पैसा बाहर छोड़ कर जाएगा?ऐसे में प्रभु राम की तस्वीर का किसी भी नोट पर छपे होना क्या धर्म विरोध नहीं ? शादि ब्याह, डांस बार में तो लोग पैसा लुटाते नजर आते हैं।इस तरह की कल्पना सही नहीं। वैसे ही जगह-जगह तस्वीरों,मूर्तियों के रूप में ईश्वर रूप में पूजे जाने वाले अवतरित महापुरुषों का लोगों द्वारा जाने अनजाने अनादर होता दिखता है। यह एक गहन अध्ययन का विषय है । शायद इसी वजह से ऐसे कई धर्म है जो मूर्ति पूजा का खंडन करते हैं । तस्वीर या मूर्ति का होना ईश्वर की उपस्थिति का आभास देता है परंतु उसकी पवित्रता को बनाए रखना एक कठिन कार्य है। अक्सर लोग मूर्ति या तस्वीर के खराब होने के पश्चात यह समझ नहीं पाते कि उसका क्या किया जाए । जहां-कहीं किसी भी पेड़ के नीचे रख देते हैं । आज कल नदियों की स्वच्छता को ले कर चलाए गए अभियान के तहत मूर्ति विसर्जन पर भी कहीं कहीं प्रतिबंध है । हम उम्मीद करते हैं कि इस विषय की गहराई को समझते हुए प्रभु रूप मे पूजे जाने वाले अवतारों, देवी देवताओं की तस्वीरों का उपयोग सोच समझ कर किया जाए ।

आज मेरे राम अपने घर पधारे

क्षण प्रतीक्षा के सभी पूरे हुए है,
आज मेरे राम अपने घर पधारे।
मैं सितारों से कहूं स्वागत करे या
तोड़कर पथ में बिछा दूं मैं सितारे।
जो जन्म से ही रहे निष्पाप प्रभुवर,
जाने किस-किस
आत्मा के पाप भोगे?
मुक्त अभिशापों से
सबको करने वाले,
जाने किस-किस
देह का अभिशाप भोगे?
कितने युग से किन
अभागे जन के कारण,
तंबू के नीचे प्रभु ने दिन गुजारे।
प्रश्न मेरे मन को
विचलित कर रहा है,
क्यों कठिन इतना है
जग में राम होना?
त्याग का परिणाम
क्यों वनवास हरदम,
दण्ड के ही योग्य
क्यों निष्काम होना?
तीनों लोकों पर विजय श्री पाने वाले,
अपने घर,अपनी प्रजा के हाथ हारे।
सिर्फ मेरे राम में सामर्थ्य था यह
दुख ग्रहण कर
सुख के सब संकल्प त्यागे।
स्वप्न सब संधान पर करके न्यौछावर,
खंडहर होकर जगत का दान मांगे।
स्वयं के पक्ष में तमस का दान मांगा,
और प्रजा के भाग्य में मांगे सितारे।
अंत हो अवसाद की
सुख का शुभारंभ,
अब परीक्षा कोई भी न शेष रखना।
मैं हथेली रख दूं
जिस पथ में चलो तुम,
अपने पद पंकज
वही अवधेश रखना।
हर हृदय पुलकित हुआ
तव आगमन से,
दृग सजल मोती बहाकर पद पखारे।
अब मेरे सिय राम के जीवन में कोई
न विरह के क्षण, नही वनवास आए।
सारे जग को तृप्त करने वाली जोड़ी
प्रार्थना के स्वर में हमेशा मुस्कुराए
तुम सदा आराध्य रहना नाथ मेरे,
हम सदा ऋणी रहे राघव तुम्हारे।

गुंजा गुप्ता गुनगुन
मऊ-
उत्तर प्रदेश

क्यों कश्मीरी पंडित अपनी ही धरती पर शरणार्थी बन गए ?

अधिकांश कश्मीरी पंडितों का मानना है कि यदि केंद्र और पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य में मजबूत सरकारें होतीं तो कश्मीर में उनका उत्पीड़न, जिसके कारण उन्हें बड़े पैमाने पर पलायन करना पड़ा, ऐसा नहीं हुआ होता।अक्सर जब सरकारें जमीनी हकीकत को नजरअंदाज कर देती हैं या आंखें मूंद लेती हैं, तो अपरिहार्य घटित होना तय है। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। 1986 में और फिर 1988 के बाद कश्मीरी पंडितों के साथ जो हुआ, उसके लिए बड़ा दोष केंद्र और राज्य की तत्कालीन सरकारों को दिया जाना चाहिए।यह अवधि कश्मीर के इतिहास में महत्वपूर्ण है, यदि तत्कालीन सरकारों की मंशा होती तो स्थिति कुछ और हो सकती थी और इसे पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की तैयारी की अवधि नहीं बनने दिया जा सकता था। यदि तत्कालीन सरकारों ने कदम उठाया होता और नियंत्रण से बाहर हो रही स्थिति को सख्ती से नियंत्रित किया होता, तो कश्मीर उस दलदल में नहीं फंसता, जिसके कारण अंततः कश्मीरी पंडितों और उन सभी लोगों पर अत्यधिक आतंकवादी हमला हुआ, जिन्हें 'भारत समर्थक' माना जाता था।

कश्मीरी पंडितों और अन्य समुदायों और मुसलमानों का भी पलायन रातोरात नहीं हुआ। 19 जनवरी 1990 को कश्मीरी पंडितों द्वारा सामूहिक पलायन दिवस के रूप में मनाया जाता है। उस दिन, मस्जिदों ने घोषणाएँ जारी कीं कि कश्मीरी पंडित काफ़िर थे और पुरुषों को कश्मीर छोड़ना होगा, इस्लाम अपनाना होगा या मार दिया जाना होगा। जिन लोगों ने इनमें से पहला विकल्प चुना, उनसे कहा गया कि वे अपनी महिलाओं को पीछे छोड़ दें ऐसा नहीं है कि इस दिन बड़े पैमाने पर पलायन हुआ था, बल्कि यह दिन सबसे खराब हिंसा और उतनी ही उदासीन व्यवस्था का सामना करने के दर्द का प्रतीक है जो उनकी सुरक्षा करने और उन्हें न्याय देने में विफल रही। फरवरी 1986 में दक्षिण कश्मीर में अल्पसंख्यकों पर पहला सामूहिक हमला हुआ।अनंतनाग दंगों के रूप में जाना जाता है, इस विस्फोट में मुस्लिम भीड़ ने कश्मीरी पंडितों की संपत्तियों और मंदिरों को लूट लिया और नष्ट कर दिया। फारूक अब्दुल्ला के बहनोई गुलाम मोहम्मद शाह तत्कालीन मुख्यमंत्री थे, जिन्हें दिवंगत प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी ने समर्थन दिया था और फिर उनके बेटे और उत्तराधिकारी राजीव गांधी ने उनका समर्थन किया था।हिंसा को रोकने में शाह विफल रहे और पुलिस द्वारा स्थिति को नियंत्रित करने में विफल रहने के बाद उन्हें सेना की मदद लेनी पड़ी। उन्हें तत्कालीन राज्यपाल जगमोहन ने शीघ्र ही बर्खास्त कर दिया था।

-त्रिवेणी देवांगन-

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

राम की भक्ति में सराबोर रहा सरगुजा,प्रज्जवलित किए गए लाखों दीप

राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर शोभायात्रा में शामिल हुए हजारों लोग

राम मंदिर सहित शहर के अलग-अलग स्थान से शोभायात्रा निकाली गई

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 22 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

22 जनवरी की ऐतिहासिक तिथि जब अयोध्या में श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस अवसर पर पूरे सरगुजा संभाग में उत्साह रहा। लोग राम की भक्ति में डूबे रहे। इस अदभुत क्षण के पूरे सरगुजा वासी साक्षी रहे। सुबह से ही लोग एक दूसरे को बधाई दे रहे थे। मंदिरों में एक दिन पूर्व से ही अखंड रामायण का पाठ शुरू हो चुका था। प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर सोमवार की दोपहर 12 बजे के बाद शहर के राम मंदिर में पूजा अर्चना शुरू की गई। राम मंदिरों में भक्तों की काफी भीड़ देखी गई। राम मंदिर को विशेष तरीके से सजया गया था। मंदिर में भक्तों के आने का सिलसिला सुबह से ही शुरू हो चुका था। पूजा अर्चना पूर्ण होने के बाद प्रभु श्री राम की आरती हुई। इसके बाद दोपहर करीब तीन बजे हिन्दू युवा एक्ता मंच सहित अन्य संगठनों द्वारा राम मंदिर से शोभायात्रा निकाली गई। जो शहर के विभिन्न चौक-चौराहों से होते हुए गांधी स्टेडियम पहुंची। इसके बाद गांधी स्टेडियम में 1 लाख दीपों का प्रज्ज्वलित किया गया। इससे पूरा स्टेडियम जगमगा उठा। राम भक्तों से पूरी स्टेडियम खचाखच भरी रही। लोग इस अलौकिक क्षण को एक नजर देखने के लिए लालाइत रहे। मोबाइल में कैद करते नजर आए।

अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एलइड स्क्रीन के माध्यम से शहर में जगह-जगह दिखाया गया। लोगों ने बड़े ही आस्था के साथ इस एतिहासिक क्षण को देखा। इस दौरान सजा दो घर को गुलशन सा अवध में 'राम'आए हैं..., मेरे झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे, राम आएंगे सहित अन्य गानों पर राम भक्त नाचते, झुमते रहे। पूरा शहर भक्ति में डूबा रहा। जगह-जगह भंडारे व प्रसाद का वितरण भी किया गया।

शोभायात्रा में शामिल हुए हजारों लोग

अयोध्या में श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस अवसर पर जिला मुख्यालय अंबिकापुर सहित पूरे जिले में उत्साह का माहौल रहा। विभिन्न संगठनों,श्रद्धालुओं द्वारा राम मंदिर सहित शहर के अलग-अलग स्थान से शोभायात्रा निकाली गई। सभी शोभायात्रा घड़ी चौक पर एक साथ पहुंचे। यहां जय श्री राम के नारों से पूरा शहर गुंज उठा। हजारों की संख्या में लोग शोभायात्रा में शामिल हुए। हर गली मोहल्ले को सजाया गया था। छोटी-बड़ी सभी मंदिरों में भी आस्था के दीप जलाए गए। जगह-जगह धार्मिक आयोजन किए गए। बाल गंगाधर तिलक स्थापना समिति अम्बिकापुर द्वारा महामाया पहाड़ स्थित हाथी पखना गणपति धाम में पूजा अर्चना के बाद शाम को दीप का प्रज्जवलित किया गया। इसी तरह शहर महामाया मंदिर, हनुमान मंदिर, दुर्गा मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भी पूजा अर्चना कर शाम को दीप प्रज्जवलित किए गए। वहीं हर घरों में प्रभु श्री राम के झंडे लगाए गए थे। इससे पूरा शहर भगवामय रहा।नवापारा बजरंग मैदान में 'आइये मिलकर अंबिकापुर को अयोध्या बनाएं' थीम के तहत श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास, अंबिकापुर के आयोजन में अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एलईडी स्क्रीन पर दिखाया गया।

शहर में रही चौक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था

अयोध्या में श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शहर में अलग-अलग स्थान पर कई आयोजन किए गए। इसे लेकर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। शहर के हर चौक चौराहों पर पुलिस बल तैनात थे। ताकि खुशी के इस माहौल में किसी तरह की कोई अप्रिय घटना न हो सके।

टेक्नीशियन के 03 पद सुरक्षित रखने का कोर्ट ने दिया आदेश

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 22 जनवरी 2024
(घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज में टेक्नीशियन के 03 पद सुरक्षित रखने निर्देश दिया है। मेडिकल कॉलेज में टेक्नी शियन के 17 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। इसके लिए 12 सितंबर 2017 को विज्ञापन जारी किया गया था।17 पदों में से 05 पद अनारक्षित (01 पद अनारक्षित महिला सहित), 01 पद अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के लिए, 09 पद अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के लिए आरक्षित (02 पद अनुसूचित जनजाति महिला सहित) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 02 पद आरक्षित थे।उपरोक्त विज्ञापित टेक्नीशियन पद के लिए चयन/मेरिट सूचि तैयार करने के लिए पद के लिए शैक्षणिक योग्यता के अंक, तकनीकी योग्यता के अंक, साक्षात्कार के अंक एवं अनुभव के अंक को जोड़कर मूल्यांकन किया जाएगा। टेक्नीशियन के पद के लिए अपेक्षित शैक्षणिक योग्यता (1) जीव विज्ञान, भौतिकी और रसायन विज्ञान विषय के साथ उच्चतर माध्यमिक परीक्षा (10+2) उत्तीर्ण होनी चाहिए, (2) सरकारी संस्थान से पैथोलॉजी

टेक्नीशियन का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और (3) राज्य पैरामेडिकल काउंसिल से पंजीकृत। याचिकाकर्ताओं के पास टेक्नीशियन के पद के लिए उपरोक्त सभी अपेक्षित योग्यताएं हैं और योग्य उम्मीदवार होने के नाते तकनीशियन के पद के लिए विधिवत आवेदन किया। दस्तावेजों के सत्यापन की प्रक्रिया के बाद, अधिष्ठाता, राजमाता देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय मेडिकल कॉलेज अम्बिकापुर, जिला सरगुजा ने पात्र और अपात्र उम्मीदवारों की सूची जारी की और दावा आपत्ति आमंत्रित कीं। अपात्र उम्मीदवारों की सूची में याचिकाकर्ताओं को इस कारण से अपात्र घोषित किया गया था कि आय प्रमाण पत्र नहीं है, अस्थाई जाति प्रमाण पत्र संलग्न नहीं है। स्थाई जाति प्रमाण पत्र संलग्न नहीं है, अनापत्ति प्रमाण पत्र नियुक्ति प्राधिकारी का नहीं है, अनापत्ति प्रमाण पत्र 24.11.2017 कटऑफ तिथि के बाद का है।याचिकाकर्ताओं ने अधिष्ठाता, राजमाता देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय मेडिकल कॉलेज अम्बिकापुर के समक्ष दावा आपत्ति प्रस्तुत की है जिसके पश्चात डीन, शासकीय मेडिकल कॉलेज, अंबिकापुर ने दावा आपत्ति समाधान सूची प्रकाशित की, जिससे याचिकाकर्ताओं को इस कारण से अयोग्य घोषित कर दिया गया कि वर्तमान भर्ती तकनीशियन के पद पर है, न कि मेडिकल लैब तकनीशियन के लिए।अपात्र सूचि/आदेश से क्षुब्द होकर याचिकाकर्ता महेंद्र कुमार साहू, रीना किंडो एवं मुकेश दास ने उच्च न्यायालय में अधिवक्ता मतीन सिद्दीकी एवं घनश्याम कश्यप के माध्यम से रिट याचिका दायर की गई। याचिका की सुनवाई न्यायाधीश अरविन्द सिंह चंदेल के एकलपीठ में हुई, जिसमे माननीय न्यायालय ने राज्य शासन एवं कॉलेज को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के लिए निर्देश दिया एवं याचिकाकर्ताओं के लिए टेक्नीशियन के 03 पद सुरक्षित रखने के लिए आदेश पारित किया गया।

सीतापुर में संचालित जय हनुमान राइस मिल धान की हेराफेरी पर सील

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 जनवरी 2024
(घटती-घटना)। कलेक्टर सरगुजा भोसकर विलास संदीपन के निर्देश पर खाद्य विभाग द्वारा सतीश अग्रवाल द्वारा संचालित जय हनुमान राइस मिल ग्राम पंचायत देवगे

विकासखंड सीतापुर द्वारा किसानों को धान विक्रय करने सम्बन्धित शिकायत पर औचक निरीक्षण कर जांच किया गया । शिकायत के आधार पर जांच दल द्वारा राइस मिल को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया है। खाद्य अधिकारी रविंद्र सोनी ने बताया कि कलेक्टर के निर्देश पर मिलर्स के खिलाफ छत्तीसगढ़ कस्टम मिलिंग चावल उपार्जन आदेश 2016 एवम आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत कठोर कार्यवाही की जावेगी। कार्रवाई में रविंद सोनी खाद्य अधिकारी, अरुण विश्वकर्मा जिला विपणन अधिकारी , रोशन गुप्ता सहायक खाद्य अधिकारी एवम संदीप गुप्ता नोडल अधिकारी स्टेट वेयरहाउसिंग सम्मिलित थे।

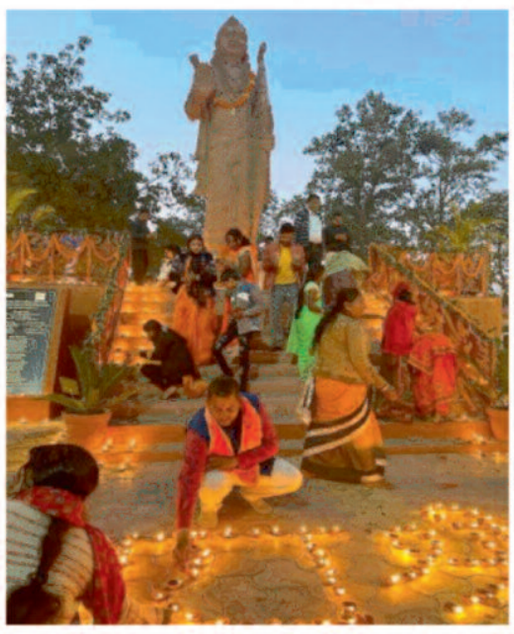

हम सब बहुत सौभाग्यशाली हैं कि इस एतिहासिक पल के साक्षी बने...

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

विकासखंड उदयपुर के अंतर्गत राम वन गमन पर्यटन परिपथ क्षेत्र रामगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में भगवान श्री राम की प्रतिमा के समक्ष विधायक राजेश अग्रवाल अपनी धर्मपत्नी सुनीता अग्रवाल, कलेक्टर विलास भोस्कर संदीपन, एसपी सुनील शर्मा,आलोक दुबे सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा अर्चना की। हवन पश्चात मंत्रोच्चार के बाद उपस्थित आमजनों के साथ संयुक्त रूप से रामचरित मानस एवं हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। जिसके बाद अतिथियों को

रामचरित मानस की प्रतियां भेंट की गई। इस दौरान अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के लाइव प्रसारण की भी व्यवस्था रही जिसके प्रत्यक्ष दर्शी बन लोग भाव विभोर हो उठे। राम भक्तों और श्रद्धालुओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा श्री राम मंदिर के गर्भ गृह में किए गए प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान का लाइव प्रसारण देखा और प्रभु श्री राम के बाल्यरूप के अलौकिक छवि का दर्शन किया। इस अवसर पर विधायक अग्रवाल ने कहा कि इस पल को देखने के लिए पीढियां बीत गई। आज हम बहुत सौभाग्यशाली हैं कि इस पल के साक्षी बने हैं। जिला प्रशासन के सहयोग से यहां रामगढ़ में कार्यक्रम संपन्न हुआ। सभी भावुक और आनंदित हैं।

मानस मण्डलियों ने दी प्रस्तुति

केसरिया पोशाक में राम-लखन-सीता बनकर बच्चों से सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोहा। कार्यक्रम में रामायण मंडलियों ने रामचरितमानस में संकलित विभिन्न अध्यायों का मानस गायन कर श्री राम के आदर्श संदेशों को जन-जन तक पहुंचाते हुए सुंदर प्रस्तुति दी। तो वहीं स्कूली बच्चों के द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोहा। इस दौरान नन्हे बच्चे श्री राम, माता सीता एवं लक्ष्मण की वेशभूषा में कार्यक्रम में उपस्थित थे।

5100 दीपों से सजी भूमि रामगढ़

श्री रामलला की प्राणप्रतिष्ठा के अवसर पर पूरा देश दीप जलाकर दीपावली मना रहा है। इसी कड़ी में जिला प्रशासन द्वारा रामगढ में भी 5100 दिए जलाकर खुशियां मनाई गई। राम लला की जयकार से पूरा सरगुजा गुंजायमान हो गया। पूरे जिले में हर्ष और उल्लास की लहर है। जिला प्रशासन द्वारा जिला मुख्यालय एवं विकासखंड मुख्यालयों में निर्धारित मंदिरों में मानस मंडलियों द्वारा गायन और भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गए। जिले वासी राम लला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सुबह से ही उत्साहित रहे। मंदिरों-देवालयों में भजन, पूजन, कलश एवं शोभा यात्रा की धूम रही। जगह-जगह प्रवेश द्वार सजाए गए थे। श्रद्धालुओं में भगवान श्री राम के प्रति आस्था, प्रेम और समर्पण भाव देखा गया।

भारत के मुसलमानों को यह नहीं भूलना चाहिए कि...

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर बोला पाकिस्तानी मीडिया

इस्लामाबाद,22 जनवरी 2024। लंबे बरसे के बाद आखिरकार अयोध्या में रामलला विराजमान हो गए हैं। रामजन्मभूमि पर मस्जिद के निर्माण से लेकर वापस राम लला के भव्य मंदिर बनने तक लगभग पांच सदियां लग गई। चुनौतियों और लंबी लड़ाई के बाद आखिरकार भक्तों को उनका राम मंदिर मिल गया है। प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में संपन्न हुआ। पूरा देश राम मय हो गया है। आइए जानते हैं 500 साल बाद राम मंदिर मिलने पर पाकिस्तानी मीडिया की क्या प्रतिक्रिया है।

वेटिकन सिटी जैसा शहर बनने को तैयार

भारत के साथ-साथ अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की चर्चा विदेशों में भी खूब हो रही हैं। पाकिस्तान के अखबारों ने इसे लेकर लिखा है कि बाबरी मस्जिद को गिराकर बनाए गए राम मंदिर में आज पीएम रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करने जा रहे हैं। पाकिस्तान के प्रमुख अखबार द डॉन ने एक ऑपिनियन लेख प्रकाशित किया है, जिसमें लेखक परवेज हुदभोय ने लिखा है कि जहां पहले पांच शताब्दी पुरानी बाबरी मस्जिद हुआ करती थी, अब वहां राम मंदिर बन रहा है। राम मंदिर के चारों तरफ वेटिकन सिटी जैसा शहर बनने को तैयार है।

भारत के मुसलमान यह न भूलें...

उन्होंने आगे लिखा, नए भारत में अब धार्मिक साम्प्रदायिकता घृणा की तरह नहीं मानी जाती है। परवेज ने कहा,हिंदुत्व का संदेश दो वर्गों को टारगेट करता है। पहला है-भारत के मुसलमान, जिस तरह पाकिस्तान अपनी हिंदू आबादी को कम अधिकारों वाले दोयम दर्जे के नागरिकों के रूप में देखता है,उसी तरह भारत में मुसलमानों को भी यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि वे उन आक्रमणकारियों की अनचाही संतान हैं, जिन्होंने एक प्राचीन भूमि को बर्बाद कर दिया और उसकी महिमा को लूट लिया।

जैसे को तैसा मिला

पाकिस्तानी अखबार ने आगे लिखा है कि मार्च 2023 में जय श्री राम के नारे लगाती भीड़ ने एक सदी पुराने मदरसे और प्राचीन लाइब्रेरी को जला दिया था। 12 वीं सदी में मुस्लिम आक्रमणकारी, बख्तियार खिलजी ने नालंदा विश्वविद्यालय को आग के हवाले कर दिया था, जिसमें वहां की विशाल लाइब्रेरी जलकर खाक हो गई थी। हिंदुत्ववादियों का मदरसे और लाइब्रेरी को जलाना जैसे को तैसा वाली बात थी।

हिंदू विरोधी के रूप...

लेख में हिंदुत्व के दूसरे टार्गेट का जिक्र करते हुए लिखा गया, दूसरा संदेश भाजपा के विपक्ष, कांग्रेस के लिए है कि वो धर्मनिरपेक्षता को छोड़ धार्मिक पिच पर आए और भाजपा के साथ खेलती दिखी। अगर वो ऐसा नहीं करती है तो उसे हिंदू विरोधी के रूप में देखा जाएगा।

भाजपा ने किया था वादा

पाकिस्तान टुडे ने लिखा है कि सोमवार को उस जगह पर एक विशाल मंदिर का उद्घाटन किया गया, जिसे लाखों भारतीय राम का जन्मस्थान मानते हैं। मंदिर का निर्माण पिछले 35 सालों से हो रहा है। मोदी की हिंदू राष्ट्रवादी भारतीय जनता पार्टी ने मंदिर निर्माण का वादा किया था और यह उनके लिए हमेशा से एक राजनीतिक मुद्दा रहा है, जिसने पार्टी को सत्ता में आने और यहां बने रहने में मदद की है।

अखबार ने लिखा,हिंदू समूह अयोध्या में उद्घाटन समारोह को सदियों से मुस्लिम और औपनिवेशिक शक्तियों के अधीन रहने के बाद हिंदू जागृति के रूप में चित्रित कर रहा है। समारोह को मई में होने वाले आम चुनावों के लिए पीएम मोदी के चुनावी अभियान की आभासी शुरुआत के रूप में भी देखा जा रहा है।

अखबार ने लिखा कि दशकों तक मंदिर स्थल विवाद का केंद्र रहा क्योंकि हिंदू और मुस्लिम दोनों पक्ष ही इस पर अपना दावा करते रहे। साल 1992 में हिंदुओं की भीड़ ने 16वीं सदी में बनी बाबरी मस्जिद को तोड़ दिया था। भारत के बहुसंख्यक हिंदुओं का कहना है कि यह स्थान भगवान राम का जन्मस्थान है और 1528 में मुस्लिम मुगलों ने एक मंदिर को तोड़कर बाबरी मस्जिद का निर्माण किया था। 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने जमीन हिंदुओं को सौंप दी और मुसलमानों को अलग प्लॉट देने का आदेश दिया था।

2025 तक पूरा बनेगा मंदिर

राम मंदिर की विशालता का जिक्र करते हुए पाकिस्तानी अखबार ने लिखा, मंदिर 2.67 एकड़ में बनाया जा रहा है जिसका परिसर 70 एकड़ में फैला है। माना जा रहा है कि दिसंबर 2025 में मंदिर पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएगा। अनुमान है कि मंदिर बनाने में 15 अरब रुपये खर्च होंगे।

धर्मनिरपेक्षता भगवा राजनीति के पहाड़ तले दब गई

अलजजीरा ने एक ऑपिनियन लेख छापा है जिसमें लिखा है कि भारत की धर्मनिरपेक्षता भगवा राजनीति के पहाड़ तले दब गई है। भारत की राजनीतिक टिप्पणीकार ईसिया वाहन्वति के लिखे लेख में कहा गया है कि धर्मनिरपेक्ष भारत के किसी प्रधानमंत्री का मंदिर का उद्घाटन करना अनुचित है।

लेख में कहा गया,बाबरी मंदिर का विध्वंस आज भी मुसलमानों के लिए दुखदायी है। विध्वंस के बाद हुए दंगों में जो लोग मारे गए, हममें से कई लोगों को आज भी वो याद हैं। राजनीतिक वादे किए गए कि मस्जिद फिर से बनाया जाएगा, लेकिन ऐसा कभी हुआ नहीं।

अखंड भारत बनेगा लेकिन...रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद PM Modi को लेकर मुस्लिम धर्मगुरु ने कह दी बड़ी बात

अयोध्या,22 जनवरी 2024। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में भगवान श्री रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा सोमवार को निर्विघ्न पूर्ण हो गई है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में अखिल भारतीय इमाम संगठन के मुख्य इमाम डॉ. इमाम उमेर अहमद इलियासी ने कहा कि यह नए भारत का चेहरा है। हमारा सबसे बड़ा धर्म मानवता है। हमारे लिए राष्ट्र पहले है।

इमाम उमेर अहमद इलियासी ने कहा कि यह बदलते भारत की तस्वीर है। आज का भारत नवीन भारत, आज का भारत उत्तम भारत, मैं यहां पैगाम-ए-मोहब्बत लेकर आया हूं। आज मेरे साथ यहां स्वामी जी खड़े हैं...इसी का नाम भारत है। हमारी इबादत करने के तरीके अलग जरूर हो सकते हैं, पूजा पद्धति जरूर अलग हो सकती है, हमारी आस्थाएं जरूर अलग हो सकती है, लेकिन हमारा जो सबसे बड़ा धर्म है वह इंसान और इंसानियत का है।

चीन में बड़ा हादसा, लैंडस्लाइड में 44 लोग मलबे में दबे,कई घर तबाह

बीजिंग, 22 जनवरी 2024। चीन के पर्वतीय इलाके युन्नान में बड़ा हादसा हुआ है। दरअसल वहां लैंडस्लाइड में 44 लोगों के मलबे में दबने की खबर है। घटनास्थल से 200 लोगों को बचाया गया है। राहत और बचाव कार्य अभी भी जारी है। लैंडस्लाइड में कई मकान तबाह हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना चीन के दक्षिण पश्चिमी प्रांत युन्नान की है। लैंडस्लाइड सोमवार सुबह करीब छह बजे युन्नान के लियांगसुई गांव में हुई।

राहत और बचाव कार्य जारी-हादसे वाला इलाका जेनजियांग काउंटी के तांगफांग शहर के अंतर्गत आता है। प्रशासन ने बयान जारी कर बताया है कि मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है। बताया गया है कि लैंडस्लाइड में 18 घर मलबे में दब गए हैं। बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित जगह से निकाला गया है। मलबे में दबे लोगों को निकालने की भी कोशिशें चल रही हैं। लैंडस्लाइड की वजह अभी तक पता नहीं चली है।

ओकलाहोमा में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त,तीन की मौत,

समुद्री हमले में लापता नौसेना के दो जवानों की खोज बंद

वॉशिंगटन,22 जनवरी 2024। ओक्लाहोमा में शनिवार देर रात एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इससे एक एयर एम्बुलेंस चालक दल के तीन सदस्यों की मौत हो गई।

कंपनी ने रविवार को कहा कि रात 11:30 बजे से कुछ देर पहले नियंत्रण केंद्र का एयर इवैक लाइफटीम हेलीकॉप्टर चालक दल से संपर्क टूट जाने के बाद वेदरफोर्ड के पास दुर्घटना की सूचना मिली। निकटवर्ती एयर इवैक टीमों ने चालक दल के सदस्यों की खोज में कानून प्रवर्तन की सहायता की।

कंपनी ने यह नहीं बताया कि बेल 206 एल 3 कहां पाया गया और पीड़ितों के नाम तुरंत जारी नहीं किए। बता दें, राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड दुर्घटना की जांच करेगा।

समुद्री हमले में लापता नौसेना के दो जवानों को मरा माना

अमेरिका की सेना ने अपने दो लापता नौसेना के जवानों को बचाने के लिए चलाया जा रहा खोज अभियान बंद कर दिया है। अब इन जवानों को मरा हुआ माना जा रहा है। दरअसल, ये जवान उस दौरान लापता हो गए थे, जब अरब सागर में एक जहाज पर चढ़ने और ईरानी निर्मित हथियारों को जब्त करने का अभियान चला रहे थे।

अमेरिकी मध्य कमान ने कहा कि तलाश अभियान को अब राहत अभियान में बदल दिया गया है। जवानों के नाम जारी नहीं किए गए हैं क्योंकि अभी परिवारों को सूचना नहीं पहुंचा सकी है।

रामास्वामी के बाद फ्लोरिडा के गवर्नर डेसेंटिस भी दौड़ से बाहर,ट्रंप को समर्थन देने का किया एलान

वाशिंगटन,22 जनवरी 2024। विवेक रामास्वामी के बाद अब रिपब्लिकन पार्टी के एक और उम्मीदवार ने अपना नाम वापस ले लिया है। रिपब्लिकन नेता रॉन डेसेंटिस अब राष्ट्रपति की दौड़ से बाहर हो गए हैं। रामास्वामी की तरह ही डेसेंटिस ने भी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया है। बता दें, डेसेंटिस अमेरिकी राज्य फ्लोरिडा के गवर्नर हैं। गौरतलब है कि अमेरिका में इस वर्ष के अंतिम में राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं, जिसके लिए सभी नेता तैयारी कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी जानकारी

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार,डेसेंटिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपना एक संदेश लिखा। उन्होंने कहा कि मैं आज अपने राष्ट्रपति अभियान को वापस ले रहा हूं। मुझे ऐसा लग रहा है कि राष्ट्रपति पद के अपने अभियान में सफल होना इतना आसान नहीं है। व्हाइट हाउस का रास्ता साफ नहीं है। इसलिए मैं अपने राष्ट्रपति अभियान से अपना नाम पीछे ले रहा हूं। उन्होंने कहा कि विंस्टन चर्चिल ने एक बार कहा था कि सफलता का कभी अंत नहीं होता। विफलता कभी घातक नहीं होती। हम विफलताओं के बाद कैसे आगे बढ़ रहे हैं, असल में मायने यही रखता है। मेरा राष्ट्रपति अभियान को समाप्त हो गया लेकिन अब मैं फ्लोरिडा में अपना मिशन जारी रखूंगा।

ट्रंप से काफी पीछे थे डेसेंटिस

डेसेंटिस ने आगे कहा कि मैं रिपब्लिकन उम्मीदवार का समर्थन करुंगा। मैंने इसी प्रतिज्ञा पर हस्ताक्षर किए हैं। मैं इस प्रतिज्ञा का सम्मान करता हूं। बता दें, डेसेंटिस आयोवा कॉकस में दूसरे नंबर पर आए। बावजूद इसके वह ट्रंप से काफी पीछे रहे। ट्रंप जहां 51 प्रतिशत समर्थन के साथ प्रथम आए तो वहीं डेसेंटिस मात्र 21 प्रतिशत समर्थन ही हासिल कर सके। अब रिपब्लिकन उम्मीदवार निक्की हेली ही ट्रंप के सामने खड़ी हैं। हेली फिलहाल ट्रंप की कट्टर प्रतिद्वंद्वी हैं।

पिछले हफ्ते ही रामास्वामी ने भी वापस ली दावेदारी

पिछले सोमवार को भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी ने भी राष्ट्रपति पद की दावेदारी छोड़ दी थी। रामास्वामी ने ट्रंप का समर्थन किया। रामास्वामी ने खुद इसका एलान किया था। इस दौरान रामास्वामी ने कहा कि मेरे लिए अब कोई रास्ता नहीं बचा है। बता दें, चुनाव प्रचार के शुरुआती चरण में विवेक रामास्वामी ने डोनाल्ड ट्रंप की तारीफ की और खुद को ट्रंप का करीबी दिखाने की कोशिश की। ट्रंप ने भी रामास्वामी का समर्थन किया था।

भारतीय वायु सेना में भर्ती हेतु ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू

- संवाददाता -
बलरामपुर, 22 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी दी है कि भारतीय वायुसेना भर्ती में आवेदन करने की ऑनलाईन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उन्होने कहा है कि छत्तीसगे राज्य के केवल अविवाहित महिला एवं पुरूष ऑनलाईन आवेदन 06 फरवरी 2024 तक कर सकते हैं। अग्निवीर वायु सैनिक के पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन परीक्षा की तिथि 17 मार्च को आयोजित की जाएगी। ऑनलाईन परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए उम्मीदवार 6 फरवरी तक वायुसेना के वेबसाईट अग्नि पथ वायु डॉट सीडीएसी डॉट इन में जाकर पंजीयन कर सकते हैं। वायु सेना भर्ती हेतु इच्छुक उम्मीदवार की शैक्षणिक योग्यता किसी भी मान्यता प्राप्त केन्द्रीय अथवा राज्य की शिक्षा बोर्ड से इंटरमीडिएट या समकक्ष गणित, भौतिकी एवं अंग्रेजी विषय अथवा त्रिवर्षीय इंजीनियरिंग डिप्लोमा में 50 प्रतिशत अंकों एवं अंग्रेजी विषय में 50 प्रतिशत अंक सहित उत्तीर्ण या अन्य संकाय के उम्मीदवार इंटरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा 50 प्रतिशत अंको एवं अंग्रेजी विषय में 50 प्रतिशत अंक सहित उत्तीर्ण होना चाहिए। उम्मीदवार की जन्म तिथि 02 जनवरी 2004 से 02 जुलाई 2007 के बीच की होनी चाहिए। उम्मीदवार की ऊंचाई पुरूष के लिए 152.50 सेंटीमीटर तथा महिला के लिए 152 सेमी, सीना पुरुष आवेदकों के लिए 77 सेमी. एवं फुलाने पर 82 सेमी, महिला आवेदक के लिए समानुपात में वजन ऊंचाई एवं आयु के समानुपात में, सामान्य श्रवण क्षमता, दृष्टि क्षमता एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। उम्मीदवार को चयन के लिए कम्प्यूटर आधारित ऑनलाईन लिखित परीक्षा, शारीरिक दक्षता परीक्षा एवं चिकित्सा परीक्षा में उत्तीर्ण करना होगा। उत्तीर्ण उम्मीदवार को 04 वर्ष के लिए चयन किया जाएगा। तथा अग्निवीर वायु भर्ती के नियमानुसार वेतन एवं अन्य भत्ता देय होगा। जिसमें प्रथम वर्ष 30,000 रूपये प्रतिमाह एवं भत्ता की राशि देय होगी। 04 वर्ष की सेवा उपरांत उम्मीदवार को सेवा निधि पैकेज, जीवन बीमा कवरेज तथा अग्निवीर कौशल विकास प्रमाण पत्र का लाभ दिया जाएगा। भर्ती संबंधित अधिक जानकारी के लिए वायुसेना के वेबसाईट अग्नि पथ वायु डॉट सीडीएसी डॉट इन तथा जिला रोजगार कार्यालय बलरामपुर में संपर्क कर सकते हैं।

निधन

अंबिकापुर,22 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अनुपम फिलिप की माता श्रीमति किरण फिलिप 72 वर्ष का निधन आज सुबह 11 बजे हो गया है।वे लंबे समय से अस्वस्थ्य चल रही थीं। अंतिम संस्कार 23 जनवरी मंगलवार को होगा। अंतिम यात्रा दोपहर 2 बजे उनके निवास से तेईस एकड़ कब्रिस्तान के लिए निकलेगी। वे राजेश फिलिप, सौरभ फिलिप, अभिषेक फिलिप, आशीष फिलिप, अभिजीत फिलिप की बड़ी माँ थी।

78 बोरी अवैध धान जब्त

- संवाददाता -
बलरामपुर, 22 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 के लिए 01 नवम्बर 2023 से धान खरीदी शुरू हो चुकी है। कलेक्टर रिमिजियुस एक्का ने सभी निगरानी दलों, नोडल तथा राजस्व अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये हैं कि धान के अवैध परिवहन एवं संग्रहण पर लगातार कार्यवाही हो तथा वास्तविक कृषकों से ही धान खरीदी की जाये। उपार्जन केन्द्रों में कृषकों के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं हो ताकि वे सुगमता से धान का विक्रय कर पाएं।

कलेक्टर श्री एक्का के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रामानुजगंज के मार्गदर्शन में राजस्व विभाग की टीम के द्वारा उत्तरप्रदेश से आ रहे पिकअप वाहन में अवैध धान जब्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिकअप में 30 बोरी धान रखकर अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा था जिसे राजस्व विभाग की टीम ने जांच के दौरान जब्त कर सनावल थाना में सुपुर्द किया गया है। इसी प्रकार ग्राम चन्दननगर में सद्दाम के द्वारा सुनील लकड़ा के घर में अवैध रूप से 48 बोरी धान भण्डारित कर रखा गया था, जिस पर कार्यवाही करते हुए जब्त किया गया। ज्ञातव्य है कि कलेक्टर श्री एक्का ने जिले में अवैध धान की आवक को रोकने के लिए टीम गठित कर कोचियों एवं बिचौलियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं। साथ ही नागरिकों से अपील की है कि धान खरीदी में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि तथा अनियमितता होने पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं, जिसमें शिकायतकर्ता की जानकारी पूर्ण रूप से गोपनीय रखी जाएगी।

श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सूरजपुर जिला मुख्यालय सहित विभिन्न स्थलों में उत्साह का माहौल

- संवाददाता -
सूरजपुर,22 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सूरजपुर जिला मुख्यालय सहित विभिन्न स्थलों पर में भी उत्साह का माहौल नज़र आया। जहां सूरजपुर जिला मुख्यकाय को अयोध्या नगरी जैसा सजाया गया था। सुबह से ही मंदिरों में भजन कीर्तन रामायण पाठ के साथ जय श्री राम की गूंज सुनाई दी। इस दौरान परशुराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के प्रसारण का मुख्य अयोजन किया गया था,,जहां स्क्रीन से अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण की व्यवस्था की गई थी,। जहां सूरजपुर कलेक्टर रोहित ब्यास भी मंदिर में पूजा अर्चना कर समारोह में शामिल हुए,,जहां समारोह में मौजूद लोगों में रामलला के आगमन को लेकर भक्ति व उत्साह का माहौल नजर आया ।परशुराम धाम में श्री रामलला प्राण-प्रतिष्ठा रामोत्सव के अवसर पर भव्य जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें रामलला मंदिर अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण, मानस गान व आरती जैसे विविध आयोजन शहर वासियों की उपस्थिति में संपन्न हुई। जग-जग जोत जली है...राम आरती होने लगी है'' गीत से मानस मंडली ने बहुत ही सुंदर समां बांधा। शहर वासियों ने लाइव प्रसारण के माध्यम से रामलला मंदिर अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा''देखा। परिसर में बस राममय माहौल था। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा होने के पश्चात कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने राम भगवान के तैलय चित्र पर पूजा अर्चना कर परशुराम भगवान से आशीर्वाद भी प्राप्त किया। इस अवसर पर मंदिर प्रांगण में उपस्थित लोगों ने क्रमवार भगवान के चरणों में पुष्प अर्पण कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

इसके अलावा राम मंदिर भी जिले भर में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

CMYK

सजा दो घर को गुलशन सा मेरे घर राम आये है...

सभी को इस बात की थी खुशी कि फिर से अयोध्या में राम आये हैं

रामधुन से गुंजा क्षेत्र...मनाई गयी दूसरी दिवाली...कलियुग के दिवाली के नाम से जाना जायेगा यह दिन | **शस्त्र के आगे संतो के सनातन शास्त्रों के जीत का प्रतीक है अयोध्याःमदन अग्रवाल** | **अयोध्या में निर्मित राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा का उत्साह पूरे देश में** | **राम के आगमन को लेकर पूरा देश हुआ भगवामय,गावं से लेकर शहरों के हर धार्मिक प्रतिष्ठानों में हुआ धार्मिक आयोजन** | **राम भक्त विकास शुक्ला के नेतृत्व में हिन्दू ग्राम रनई हुआ भगवामय** | **एकता की मिशाल ग्राम रनई डूब कर श्रीराम की भक्ति में हुआ राममय**

अयोध्या राम जन्म भूमि पर बने राम मंदिर का उत्साह कोरिया व एमसीबी जिले में गांव

गांव से लेकर शहरों के विभिन्न धार्मिक स्थलों में देखा गया। 22 जनवरी 2024 एक ऐसा दिन था जिस दिन राजनीति छोड़ सभी लोग इस उत्साह में शामिल हुये और राममय दिखे। जहां घरों में भगवा फताका लहराते दिखा वहीं सभी लोग भगवा वस्त्र पहनकर मंदिर पहुंचे और शोभायात्रा में शामिल हुये ऐसा लगा कि पूरा क्षेत्र ही भगवामय हो गया। उत्साह लोगों में इतना था कि हर तरफ सभी जय श्रीराम के नारे लगाते रहे और राम के आने के खुषी में रात में अपने घरों के दरवाजे पर दीप जलाकर यह साल की पहली दिवाली मनाये। वहीं हर तरफ भोग भण्डारे का आयोजन हुआ जहां श्रद्धालुओं की भींड नजर आयी। मनेन्द्रगढ़, चिरिमिरी, पोड़ी, नागपुर, खोंगापानी, झगराखांड, जनकपुर, कोटाडोल, बैकुण्ठपुर, चरचा, सोनहत, पटना, बचरापोड़ी,खडगवां सहित पूरे जिले के हर छोटे-छोटे गावं -षहरों में शोभायात्रा निकाली गयी और उत्साह में लोग जय श्री राम के नारों के साथ झूमते दिखे।

सभी के सोशल मिडिया प्रोफाईल में दिखे राम

22 जनवरी को लेकर उत्साहित लोगों के सोषल मिडिया के प्रोफाईल में राम जी कि फोटो देखी गयी ऐसा लग रहा था कि देष का हर व्यक्ति का पहचान राम है। सभी लोग इस उत्साह को ऐसा मनाना चाहा कि यह क्षण उनके लिये अविस्मरणीय बन जाये।

त्रेता युग के अभिजीत मुर्हुत में जन्मे थे श्रीराम

त्रेता युग में जन्मे श्रीराम का कलियुग में उनके नवनिर्मित मंदिर पर उन्हें उसी मुर्हुत में प्रतिस्थापित किया गया जिसे अभिजीत मुहुत कहा गया। इसी मुर्हुत पर 22 जनवरी को प्रभु श्रीराम का प्राण प्रतिष्ठा किया गया।

पटना में दिखा एक मंदिर दिखा उपेक्षित

22 जनवरी 2024 इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया हर दृष्टि में यह दिन खास था। और इस दिन के खास होने का एक मात्र कारण था रामजन्म भूमि अयोध्या में राम जन्म भूमि स्थान पर प्रभु राम जी की प्राण प्रतिष्ठा जिस लेकर पूरे देष के मंदिरों में पूजा अर्चना की जा रही थी वहीं एक दुंभाग्य देखने को मिला जहां पटना के आदर्ष चौक में माता संतोषी मंदिर में कोई भी आयोजन नहीं हुआ और यह मंदिर पूरे तरीके से उपेक्षित दिखा। जबकि इसी जगह पर दुर्गा पूजा पंडाल में भोग-भण्डारे का आयोजन हुआ पर मंदिर की साफ-सफाई नहीं हुयी।

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,22 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

देश में राम मंदिर मुद्दा सुलझा और अब राम जी को उनका जन्म स्थान मिला,जहां पर वह 22 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा के साथ राम जी विराजमान हुये और एक बार फिर अयोध्या के साथ पूरा देश संवर गया। राम जन्म भूमि अयोध्या एक बार फिर पूरे देश सहित विदेश में एक अलग पहचान व प्रतिष्ठा बना लिया है। राम मंदिर में राम भगवान के मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर वर्षो से तैयारी चल रही थी, जिस दिन तिथि निर्धारित हुयी उस दिन को लेकर अयोध्या के साथ पूरा देश 22 जनवरी 2024 का इंतजार कर रहा था और इस दिन को एक त्यौहार की तरह मनाने का निर्णय ले लिया गया था। प्रधानमंत्री ने भी इस दिन को लेकर पूरे देश से अपील की थी कि वह अपने आसपास धार्मिक जगहों की साफ-सफाई कर पूजा अर्चना करें और दिप प्रज्वलित करें। जिसे लेकर जहां अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में राम जी कि प्राण प्रतिष्ठा हो रही थी वहीं पूरे देश के मंदिरों में धार्मिक आयोजन श्रद्धालुओं के द्वारा किये जा रहे थे। भले ही प्राण प्रतिष्ठा अयोध्या में हो रही थी पर पूरे देश के मंदिरों में स्थित प्रतिमा की पूजा अर्चना के साथ विभिन्न धार्मिक आयोजन करते हुये सुंदरकाण्ड व हनुमान चालिसा का पाठ करते हुये दीप प्रज्वलित कर जमकर आतिषबाजी किया गया। भले ही प्राण प्रतिष्ठा अयोध्या में हो रही थी परे पुरे देश के मंदिर दीयों से जगमगा रहे थे।

इस कार्यक्रम हजारों की संख्या में ग्रामीण जन,महिला और बच्चे उपस्थित रहे...

कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष सहयोगी योगेश शुक्ला, राजेश शुक्ला, महेश शुक्ला, विकास शुक्ला, रविशंकर शर्मा, विनोद शर्मा, जवाहर गुप्ता, अंचल राजवाड़े, सत्यम साहू, शंकर सोनी, लोकेश शुक्ला, अभिषेक शुक्ला, आस्तिक शुक्ला, अभिमन्यु शुक्ला, अंश शुक्ला, डॉक्टर विवेक साहू, नवीन साहू, कृष्ण चंद्र साहू, सत्यम साहू, निलेश पाण्डेय, राजेश पाण्डेय,अशोक सिंह,रामशंकर साहू, लक्ष्नधारी साहू,लक्ष्मण साहू,आनंद सोनी, छब्बीले प्रसाद ठाकुरिया, गिरधर ठाकुरिया, अंकित पाण्डेय, राधेश्याम साहू, राजेश साहू, विनोद साहू, विजय विश्वकर्मा,दिनेश नाविक, विश्वनाथ साहू, बालमिकी साहू, भोले बिसेन सहित समस्त ग्रामवासी रनई एवं श्री हनुमान सेवा समिति के विकास साहू, गौरव पाटकर, सोनू साहू, रोहित साहू, रोहित दुबे,नरेंद्र सिंह, अनिल, योगेश साहू, शौर्य कौशिक, अमन पटेल, आलोक साहू, आकाश साहू, राहुल साहू, विष्णु साहू, अशोक साहू,आयुष साहू, पप्पू साहू, राजकुमार साहू, सत्यम साहू, सुनील सिंह, आशीष साहू, अखिल साहू, महेंद्र साहू, अमन साहू, दिनेश, इंद्रपाल, दुर्गा प्रसाद सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित थे।

एकता की मिशाल ग्राम रनई डूब कर श्रीराम की भक्ति में हुआ राममय

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या धाम श्रीराम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की शुभ अवसर पर ग्राम रनई में भव्य और दिव्य शोभायात्रा, राम दरबार झांकी,सुंदरकांड पाठ,आरती,दीपोत्सव एवं विशाल भोग, प्रसाद, भंडारे एवं जलपान का आयोजन किया गया। विकास शुक्ला के नेतृत्व में आस्तिक शुक्ला एवं समस्त ग्रामवासियों के विशेष सहयोग से श्री हनुमान सेवा समिति रनई द्वारा श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या धाम में निर्मित भव्य राम मंदिर में राम लला के प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर हनुमान मंदिर रनई में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। श्री हनुमान सेवा समिति रनई के कार्यकारिणी प्रमुख शशि प्रकाश जायसवाल ने बताया कि पौष मास,शुक्ल पक्ष,द्वादशी तिथि, विक्रम संवत 2080, दिन सोमवार, दिनांक 22 जनवरी 2024 को श्री हनुमान मंदिर प्रांगण से शिव मंदिर प्रांगण तक भव्य शोभायात्रा एवं राम दरबार झांकी दोपहर 12:00 बजे से निकाली गई। हनुमान मंदिर रनई प्रांगण में श्रीराम, सीता, लक्ष्मण, और हनुमान जी की पूजा आराधना उपरांत श्रीराम के गगनभेदी जयकारों के साथ शिव मंदिर रनई तक शोभायात्रा निकाली गई। शिव मन्दिर में समस्त श्रद्धालुओं को जलपान कराया गया। शिव मंदिर से शोभायात्रा झांकी पूरे उत्साह, बाजे गाजे और पटाखों के साथ हनुमान मंदिर लाई गई। पुनः जलपान पश्चात हनुमान मंदिर रनई में दोपहर 3 बजे से सुंदरकांड पाठ किया गया। हनुमान मंदिर रनई में विशाल भोग प्रसाद भंडारे का आयोजन जमीदार परिवार द्वारा किया गया। सायं 6 बजे आरती दीपोत्सव एवं शानदार आतिशबाजी के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

परशुराम धाम में "श्री रामलला प्राण-प्रतिष्ठा रामोत्सव" के अवसर पर हुआ भव्य जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

-संवाददाता-
सूरजपुर,22 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

सूरजपुर के परशुराम धाम में आज "श्री रामलला प्राण-प्रतिष्ठा रामोत्सव" के अवसर पर भव्य जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें रामलला मंदिर अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण, मानस गान व आरती जैसे विविध आयोजन शहर वासियों की उपस्थिति में संपन्न हुई। "जग-जग जोत जली है..राम आरती होने लगी है" गीत से मानस मंडली ने बहुत ही सुंदर समां बांधा। शहर वासियों ने लाइव प्रसारण के माध्यम से "रामलला मंदिर अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा" देखा। परिसर में बस राममय माहौल था। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा होने के पश्चात कलेक्टर रोहित व्यास ने राम भगवान के तैलय चित्र पर पूजा अर्चना कर परशुराम भगवान से आशीर्वाद भी प्राप्त किया। इस अवसर पर मंदिर प्रांगण में उपस्थित लोगों ने क्रमवार भगवान के चरणों में पुष्प अर्पण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके अलावा भी जिले भर में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें मुख्य रूप से हनुमान मंदिर पर्री जिला सूरजपुर, मां बागेश्वरी धाम कुदरगढ देवी मंदिर ओढ़गी,दुर्गा बाड़ी मन्दिर प्रेमनगर, राम जानकी मंदिर भैयाथान,शिव मंदिर रामानुजनगर इत्यादि सम्मिलित थे। इसके अलावा भी प्रत्येक विकासखंड स्तर पर मंदिरों में दीप प्रज्जवलन और दीपदान जैसे कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अनुवादक,वाहन चालक एवं भृत्य रिक्त पदों के अभ्यर्थियों की पात्रता सूची जारी

-संवाददाता-
सूरजपुर,22 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के द्वारा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं अधीनस्थ स्थापनाओं में अनुवादक के 01, वाहन चालक के 01, भृत्य के 30 रिक्त पदों की भर्ती हेतु जारी विज्ञापन एवं प्राप्त आवेदनों के परिप्रेक्ष्य में चयन समिति के द्वारा आवेदनों की संवीक्षा उपरान्त पात्र एवं अपात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी कर वेबसाईट cgsisa-gov-in पर अपलोड कराई गई अनुवादक एवं वाहन चालक के अपात्र अभ्यर्थी दावा आपत्ति प्राधिकरण के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकेंगे। प्राधिकरण के सदस्य सचिव एवं चयन समिति के अध्यक्ष श्री आनंद प्रकाश वारियाल ने बताया कि विभिन्न रिक्त पदों पर सीधी भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किया जाकर अर्हताधारी अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये थे। अभ्यर्थी छत्तीसगढ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की वेबसाइट cgsisa-gov-in पर अपलोड सूची का अवलोकन कर सकते हैं। अपात्र पाये गये अभ्यर्थीगण सूची के अंतिम रिमार्क कॉलम में दर्शित किये गये कारणों के संबंध में अपना स्पष्टीकरण, मूल दस्तावेज एवं उसकी सत्यापित छायाप्रतियां या आपत्ति के निराकरण हेतु छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पुराना उच्च न्यायालय भवन, बिलासपुर के समक्ष में कार्यालयीन समय पर स्वतः उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत करते हुए निराकरण करा सकते हैं । यदि अपात्र अभ्यर्थी उपरोक्त निर्धारित अवधि में उपस्थित नहीं होते हैं तो यह माना जावेगा कि उनके पास रिमार्क कॉलम में दर्शित कारण,दस्तावेज, प्रमाण पत्र का अभाव है, और उस अभ्यर्थी को आगामी परीक्षा हेतु अपात्र मानते हुए परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जावेगी । इसके अतिरिक्त उपरोक्त पदों यानि अनुवादक एवं वाहन चालक हेतु जिन अभ्यर्थियों को पात्र होना इस स्तर तक पाया गया है उन्हें आयोजित आगामी परीक्षा में बैठने की अनुमति प्राविधिक तौर पर इस निर्देश के साथ दिया जाना उपयुक्त पाया गया है कि अंतिम चयन के पूर्व विज्ञापन में उल्लेखित निर्धारित अर्हता का यदि वे अभाव रखते हैं तो उन्हें चयनित नहीं किया जावेगा ।

क्या शिकायतकर्ता से शिकायत वापस करवाकर ग्रामीण बैंक पटना के शाखा प्रबंधक गौरवदीप खुद को पाक साफ साबित कर पाएंगे ?

ऋण गड़बड़ी मामले में अपने आप को बचाने के लिए शाखा प्रबंधक गौरवदीप हाथ पांव मारते दिख रहे हैं

शिकायतकर्ताओं पर इधर-उधर से दबाव बनाकर शिकायत वापस करने व कार्यवाही नहीं चाहते है शिकायतकर्ता से लिखवाकर क्या बच निकलेंगे शाखा प्रबंध गौरवदीप ?

क्या शिकायतकर्ता के शिकायत वापस लेने से कार्यवाही नहीं चाहते लिखकर देने से ऋण मामलों की गड़बड़ी सुधर जायेगी ?

हटाए गए शाखा प्रबंधक चिकित्सा अवकाश पर रहते हुए स्थानीय अनियमित बैंक कर्मचारी के साथ घूम रहे पटना में,शिकायतकर्ताओं पर बना रहे शिकायत वापस लेने का दबाव

नए शाखा प्रबंधक के स्वागत में दिखा हटाए गए शाखा प्रबंधक के खिलाफ का आक्रोश,जोरदार हुआ स्वागत

गौरवदीप का पटना में कितना विरोध था यह तब देखने को मिला जब नए शाखा प्रबंधक का स्वागत करने कई लोग जुटे। नए शाखा प्रबंधक का भव्य स्वागत हुआ और जिसमे जन प्रतिनिधि भी शामिल हुए। कुल मिलाकर यह गौरवदीप के खिलाफ का आक्रोश था वरना पहले किसी बैंक शाखा प्रबंधक का ऐसा स्वागत नहीं हुआ था पटना में, सभी ने राहत की सांस ली गौरवदीप के जाते ही स्वागत उसी का संदेश था।

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर/ पटना,22 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के पटना ग्रामीण बैंक के पूर्व शाखा प्रबंधक पर कई शिकायतों के बाद बड़ी कार्यवाही हुई और उन्हे शिकायत के बाद संस्थित जांच के प्रथम दृष्टया साक्ष्य आधार पर शाखा से हटा दिया गया वहीं उन्हे सूरजपुर जिले के रामानुजनगर शाखा में फिलहाल भेजा गया जिससे वह जांच प्रभावित न कर सकें और जांच निष्पक्ष हो सके। शाखा गौरवदीप की जगह अन्य शाखा प्रबंधक की पदस्थापना ग्रामीण बैंक पटना में कर दी गई है जिन्होंने कार्यभार ग्रहण कर लिया है वहीं उनके आते ही ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया जिसमे जन प्रतिनिधि भी शामिल हुए। वहीं अब यह नई जानकारी सामने आ रही है की कई शिकायतों के बाद संस्थित जांच के प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर जिस शाखा प्रबंधक पटना ग्रामीण बैंक गौरवदीप को हटाया गया वह अपने प्रभाव का पकड़ का सहारा लेकर उन शिकायतकर्ताओं पर दबाव बना रहे हैं शिकायत वापस लेने उन्हे मजबूर कर रहे हैं जिनकी शिकायत के आधार पर जांच संस्थित हुई है वहीं जिनकी शिकायत के आधार पर ही उन्हे हटाया गया है। हटाए गए शाखा प्रबंधक गौरवदीप खुद के हटाए जाने के बाद वहीं अन्य जगह पदस्थ किए जाने के बाद से ही चिकित्सा अवकाश पर हैं वहीं वह ऋण अधिकारी साथ ही स्थानीय अनियमित बैंक कर्मचारी के साथ शिकायतकर्ताओं के घर घर जा रहे हैं और उन्हे यह लिखकर देने कह रहे हैं की उन्हे शिकायत पर कार्यवाही नहीं चाहिए वहीं वह शिकायत वापस ले रहे हैं। यह जानकारी सूत्रों के हवाले से सामने आई है। गौरवदीप की मदद स्थानीय अनियमित कर्मचारी कर रहा है जो उन्हे शिकायतकर्ताओं के घर घर लेकर जा रहा है। अब सवाल यह उठता है की क्या बैंक प्रबंधन गौरवदीप को ऐसा करने मौका दे रहा है,क्या बैंक प्रबंधन के लिए गौरवदीप महत्वपूर्ण हैं ऋण अधियारी अनियमित कर्मचारी महत्वपूर्ण हैं बैंक की साख और ख्याति बैंक के लिए महत्वपूर्ण नहीं है शिकायतकर्ता की गोपनीयता साथ ही उसका कोई महत्व बैंक प्रबंधन के लिए नहीं है।

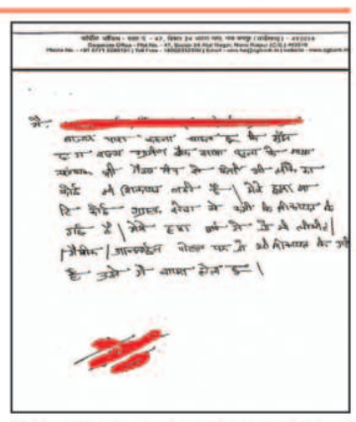

घटती-घटना खबर पर छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधन ने लिया संज्ञान, हटाए जा सकते है पटना बैंक के शाखा प्रबंधक-सूत्र

शिकायत कर्ताओं पर दबाव डलवाकर शिकायत वापस करवा रहे हटाए गए शाखा प्रबंधक गौरवदीप

ग्रामीण बैंक पटना से हाल ही में शिकायत के आधार पर हटाए गए शाखा प्रबंधक गौरवदीप फिलहाल ऋण अधिकारी और स्थानीय अनियमित कर्मचारी के साथ स्थानीय प्रभावशाली व्यक्तियों के नेतृत्व में उन शिकायत कर्ताओं के घर घर जा रहे हैं जिनकी शिकायत पर उनके ऊपर कार्यवाही हुई है और जिसके आधार पर उनके विरुद्ध जांच संस्थित है। जांच किसी तरह हो ही न यह उनका उद्देश्य है वहीं जांच में उनके दोषी होना लगभग तय है इसलिए उनका यह सामूहिक प्रयास है। अब शिकायतकर्ता भी असमंजस में हैं क्योंकि स्थानीय प्रभावशाली लोग उन्हे शिकायत वापस लेने कह रहे हैं इसलिए कई लोग शिकायत वापस लेने मजबूर हो रहे हैं।

शिकायतकर्ताओं का नाम जाहिर होना ही बैंक की गोपनीयता पर सवाल है

पटना ग्रामीण बैंक के शाखा प्रबंधक पर कई खाता धारकों ने गंभीर आरोप लगाते हुए उनकी शिकायत उच्च अधिकारियों से की थी,उच्च अधिकारियों ने शिकायत पर संज्ञान तो लिया और शाखा प्रबंधक गौरवदीप को शाखा से हटा दिया लेकिन शिकायतकर्ताओं का नाम उन्होंने जाहिर कर दिया जिसके बाद अब हटाए गए शाखा प्रबंधक ,ऋण अधिकारी,स्थानीय अनियमित कर्मचारी शिकायतकर्ताओं पर लगातार शिकायत वापस लेने का दबाव बना रहे हैं और शिकायतकर्ता भी मजबूरी में शिकायत वापस ले रहे हैं। शिकायत कर्ताओं का नाम उजागर होना बैंक के उच्च अधिकारियों की गलती है और जो कहीं न कहीं ग्राहकों की गोपनीयता भंग करने जैसा मामला है।

क्या शिकायतकर्ताओं के द्वारा शिकायत वापस लेते ही हटाए गए शाखा प्रबंधक गौरवदीप की अनियमितताएं सही हो जाएंगी ?

पटना शाखा से हटाए गए शाखा प्रबंधक गौरवदीप फिलहाल शिकायतकर्ताओं से शिकायत वापस लेने दबाव बनाने में जुटे हुए हैं,अब सवाल यह उठता है की क्या शिकायत वापस लेते ही उनके ऊपर लगे आरोप समाप्त हो जायेंगे,क्या जो अनियमितताएं वह कर चुके हैं वह सही माने जाएंगे, ऋण मामलों में गड़बड़ी का उनके ऊपर आरोप है जो शासन की महत्वाकांक्षी योजना से जुड़ा ऋण मामला है,अब उनकी शिकायत वापस कराने के लिए लगाए जा रहे जोर आजमाइश के बाद तो यही लगता है की केवल शिकायतकर्ता शिकायत वापस ले लें बाकी उनकी सारी गलती माफ ही होनी है। वैसे यदि ऐसा होता है तो यह बैंक की साख के लिए बट्टा लगाने जैसा होगा क्योंकि पटना ग्रामीण बैंक में हटाए गए शाखा प्रबंधक गौरवदीप, ऋण अधिकारी,साथ ही स्थानीय अनियमित कर्मचारी ने मिलीभगत से जो गड़बड़ी की है वह बैंक की साख के लिए अच्छा नहीं है।

चिकित्सा अवकाश लेकर गौरवदीप घूम रहे पटना में,ऋण अधिकारी,स्थानीय अनियमित कर्मचारी के साथ बना रहे शिकायतकर्ताओं पर दबाव

गौरवदीप को 11 जनवरी को पटना ग्रामीण बैंक शाखा से हटा दिया गया है उन्हे रामानुजनगर बैंक भेज दिया गया है, गौरवदीप फिलहाल चिकित्सा अवकाश पर हैं वहीं वह चिकित्सा अवकाश लेकर पटना में शिकायत कर्ताओं के घर घर घूम रहे हैं। उनके साथ ऋण अधिकारी और बैंक का स्थानीय अनियमित कर्मचारी भी शिकायतकर्ताओं के पास जा रहे हैं और शिकायत वापस लेने का दबाव बना रहे हैं। अब सवाल यह उठता है की यदि गौरवदीप को बैंक से इसलिए हटाया गया है की वह जांच प्रभावित न कर सकें तो वह चिकित्सा अवकाश लेकर पटना में शिकायत कर्ताओं के पास जा रहे हैं इसकी जानकारी बैंक प्रबंधन को है की नहीं वहीं उनके साथ ऋण अधिकारी और स्थानीय अनियमित कर्मचारी मददगार बन रहे हैं क्या इसको लेकर प्रबंधन सजग है। वैसे बैंक प्रबंधन खासकर क्षेत्रीय प्रबंधक गौरवदीप की मदद करना चाह रहे हैं उन्हे बैंक की साख से ज्यादा गौरवदीप की चिंता है यह बात सामने आ रही है इसलिए स्थानीय अनियमित कर्मचारी को उनकी मदद में लगाया गया है।

युवा कांग्रेस ने किया भारत जोड़ो न्याय यात्रा के 'रोजगार दो,न्याय दो' पोस्टर का विमोचन

-संवाददाता-

कोरबा,22 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली राहुल गांधी जी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा कोरबा से होकर गुजरेगी। जो रूट चार्ट बनी है उसके अनुसार भारत जोड़ो न्याय यात्रा रायगढ़,सक्ती,चांपा होकर कोरबा से कटघोरा होते हुए उदयपुर की ओर जाएगी। केंद्र सरकार द्वारा रोजगार के नाम पर बेरोजगारों के साथ छल करने के कारण प्रदेश में पिछले 10 साल के दौरान बेरोजगारी बढ़ी है। किसी भी सरकारी विभाग में भर्ती नहीं निकली है इसलिए बेरोजगारी के साथ ही महंगाई बढ़ी है। इसलिए युवा कांग्रेस द्वारा भारत जोड़ो न्याय यात्रा के साथ रोजगार दो, न्याय दो अभियान शुरू किया गया है। उक्त बात युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा ने कोरबा प्रेस क्लब के तिलक भवन में कही। इस दौरान उनके साथ युवा कांग्रेसियों ने रोजगार दो, न्याय दो के पोस्टर का विमोचन भी किया। प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने आगे कहा कि युवा कांग्रेस के सारे पदाधिकारी इस अभियान के तहत बेरोजगार युवाओं को जोड़ रहे हैं, ब्लाक लेवल पर लगातार युवा जुड़ रहे हैं और नए पदाधिकारी बन रहे हैं। केंद्र सरकार बस जुमलेबाजी करती है और पकौड़ा तलने को रोजगार बताती है, जबकि रोजगार के लिए शिक्षित युवा बेरोजगार होते जा रहे हैं, उनके हाथ से समय निकलता जा रहा है। वर्तमान में जो देश में चल रहा है उससे केंद्र सरकार धर्म के नाम पर महौल तो बना सकती है लेकिन रोजगार के लिए क्या किया जा रहा है सब देख रहे हैं। छत्तीसगढ़ में रायगढ़ और कोरबा औद्योगिक जिला है जहां के युवा धूल, राखड़ के साथ प्रदूषण खा रहे हैं, भारी वाहनों के दबाव से सड़क पर जान गवां रहे हैं लेकिन जब उनके रोजगार की बारी आती है तो खानापूर्ति की जाती है। इसलिए रोजगार दो, न्याय दो अभियान चलाया जा रहा है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा से पहले रोजगार दो, न्याय दो बड़ा मुद्दा साबित होगा और लोकसभा चुनाव में इसका फायदा भी कांग्रेस को मिलेगा। प्रेस वार्ता के दौरान युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष (शहर) राकेश पंकज, जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) विकास सिंह, जिला प्रभारी (शहर) आकाश मिश्र व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर एमसीबी जिला राममय भक्ति में लीन

भरतपुर सोनहत विधायक रेणुका सिंह हरचौका में सुंदरकांड पाठ व महाआरती में हुई शामिल

-ईश्वु प्रसाद यादव-

जनकपुर,22 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

जिले के नवीन जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले सभी राम भक्ति में लीन नजर आ रहे । इसी बीच पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री व भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र से विधायक रेणुका सिंह भी राम भक्ति में लीन नजर आई। रेणुका सिंह ने हरचोका में राम लला के दरबार के समक्ष दीप प्रज्वलित किया। जहां से प्रभु श्री राम के चरण छत्तीसगढ़ राज्य में पड़े थे। भगवान श्रीराम वनवास के दौरान भरतपुर ब्लाक की मवई नदी पार कर हरचौका पहुंचे थे। भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र की विधायक रेणुका सिंह हरचौका में प्रभु श्री राम की आराधना विधानसभा क्षेत्र वासियों के साथ करती नजर आई विधायक रेणुका सिंह ने सभी से एक दिया कौशल्या के राम के नाम छत्तीसगढ़ के भांचा प्रभु श्री राम के नाम प्रज्वलित करने की अपील भी की है।

अयोध्या में भगवान राम की स्थापना हो रही है उसी के उपलक्ष में सीतामढ़ी में हम लोग यह कार्यक्रम रखे हुए हैं मानस मंडली मानस गायन एवं 2500 दीपक जलाने का कार्यक्रम रखा गया है क्षेत्र वासियों को हमन आमंत्रण दिया है कि आए और इस कार्यक्रम में भाग ले

ज्ञान लता शर्मा हरचोका मंदिर आए हुए हैं हम लोग सभी राम मंडली से जैसा कि आप लोग जानता है कि छत्तीसगढ़ में श्री राम हमारे हमारे छत्तीसगढ में आए हुए हैं यहां सीता रसोई यहां पर श्री राम जी की भव्य मूर्ति बनी हुई है रामायण का प्रोग्राम रखा गया है।

-वैदेही शरण तिवारी सचिव-

आज हमारे यहां सीता मढी हरचोका में राम जन्मोत्सव का बहुत बड़ा समारोह कर रहे है जहां-जहां भी क्षेत्र में मंदिर और देवालय हैं वहां पूजा अर्चना शुरू है छत्तीसगढ़ में प्रथम जहां भगवान प्रभु श्री 14 वर्ष का वनवास काल बिताए थे बच्चों का धाम के जितने भी क्षेत्रवासी हैं साथ में रामचरनपादुका की पूजा 5100दीप प्रज्ज्वलित किया जाएगा विद्यार्थियों के द्वारा जो की स्कूल से कुछ विद्यार्थी हैं उनके द्वारा राम कला दिखाई जाएगी। सुनील महाजन जैसा कि हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आहवान किया है कि देश के 140 करोड लोग इसमें सम्मिलित हो इस उपलक्ष में भी हम लोग अपना योगदान डाल रहे हैं हमारे स्कूल तरफ की झांकी है वो हरचोका में जाएगी जन्मभूमि का सपना आज सरकार हो रहा है।

- दीप नारायण पांडे-

श्री राम जानकी मंदिर बुधवारी में प्राण प्रतिष्ठा का जिला स्तरीय कार्यक्रम हुआ आयोजित

अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के गौरवशाली पल के साक्षी बनें जिलेवासी

-संवाददाता-

कोरबा,22 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

अयोध्या के श्री राम मंदिर में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर संपूर्ण जिले में हर्ष और उल्लास का माहौल रहा। श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा के इस गौरवशाली पल के पूरे जिलेवासी साक्षी बने। कोरबा में बुधवारी स्थित श्री राम जानकी मंदिर में श्री राम प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला प्रशासन के सहयोग से अयोध्या में आयोजित श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण देखने श्री रामजानकी मंदिर में एलईडी स्क्रीन की व्यवस्था की गई थी, जहां राम भक्तों और श्रद्धालुओं ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा श्री राम मंदिर के गर्भ गृह में किए गए प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान का अलौकिक लाइव प्रसारण देखा और प्रभु श्री राम के बाल्यरूप के अलौकिक छवि के दर्शन किए।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन उपस्थित थे। साथ ही सांसद लोकसभा क्षेत्र कोरबा श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत, महापौर राजकिशोर प्रसाद,सभापति नगर पालिक निगम श्याम सुंदर सोनी एवं पार्षद शैलेन्द्र सिंह, कलेक्टर अजीत वसंत, पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला,निगमायुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, अपर कलेक्टर प्रदीप साहू,दिनेश नाग,मंदिर प्रबंधक व राजपूत क्षत्रिय समाज के अध्यक्ष अवधेश सिंह,विजय सिंह सहित अन्य अधिकारी,जनप्रतिनिधि,वरिष्ठ नागरिक, समाजसेवी, समाज के अन्य सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुए। श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा के दौरान राम-नाम की गूंज से पूरा कार्यक्रम स्थल गुंजायमान रहा। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने मंदिर स्थल में भगवान श्री राम की दर्शन व विधिवत पूजा अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख समृद्धि की कामना की। साथ ही सभी अतिथियों ने लोगों को श्री राम प्राण प्रतिष्ठा की शुभकामनाएं देते हुए बधाई दी। मंत्री रामलखन देवांगन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह एक ऐतिहासिक पल है,जो सदियों तक लोगों के मन-मस्तिष्क में रहेगा। प्रभु श्री राम के आगमन की प्रतीक्षा आज समाप्त हुई है, हम सभी इस अद्भुत क्षण के साक्षी बने है, यह हमारे लिए बड़े सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि आज लोगों में अलौकिक उत्साह नजर आ रहा है। सभी राम धुन में खोए हुए है,राम भक्ति से पूरा शहर डूबा हुआ है, हर तरफ खुशियों का माहौल है। उत्सव मनाए जा रहे है, देश मे फिर से दिवाली आ गई है। उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम का जन जन से गहरा नाता है। हमारा प्रदेश उनका ननिहाल है, इसलिए हम सभी का उनसे विशेष जुड़ाव है। श्री राम हमारे इष्टदेव है, हमारे आराध्य है, मर्यादा पुरुषोत्तम है। हम सभी को उनके आदर्श को अपने जीवन मे आत्मसात करना चाहिए। उनके दिखाए राहों पर चलते हुए अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहिए।

कलेक्टर ने कहा कि यह शुभ अवसर है, हमारे जीवन के इस अद्वितीय पल के प्रत्यक्षदर्शी हम सभी बने हैं। उन्होंने कहा कि शासन के निर्देशानुसार श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण यहां मंदिर स्थल पर किया गया है। जिससे अधिक से अधिक लोग समारोह का लाभ उठा सकें।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 /अ-2/2023-24

ईश्तहार

एतद्द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-मानपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री रामलखन पिता बाबूलाल, जाति तेली, निवासी ग्राम मानपुर, तहसील व जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम-मानपुर, प.ह.नं. 13, रा.नि.मं. सूरजपुर, तहसील सूरजपुर स्थित स्वयं के खाते की भूमि खसरा क्रमांक 139/1, 643/6, 652/2, रकबा क्रमशः 1090, 0.062, 0.065, हे0 कृषि भूमि को व्यवसायीक प्रयोजन के लिए भूमि व्यपवर्तन हेतु इस न्यायालय में आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 05/02/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 19/01/2024 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील

विशेष कर्त्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 /अ-6-अ/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुनील कुमार आ0 रामनाथ, निवासी ग्राम जमीरा, तहसील लुण्ड्रा, जिला-सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी रा0 अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक की भूमि खसरा नंबर 833/2 रकबा 0.202 हे0 ग्राम खलिबा में स्थित है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि पंजीबद्ध विक्रयपत्र के माध्यम से क्रय किया गया है।

उक्त भूमि का नक्शा त्रुटिपूर्ण होने के कारण आवेदक द्वारा पंजीबद्ध विक्रयपत्र दिनांक 12/07/2017 में अंकित चौहदी के अनुसारा आवेदित भूमि का नक्शा सुधार किये जाने हेतु निवेदन किया गया है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 19/02/2024 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19/01/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02

इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती 2 टेस्ट नहीं खेलेंगे विराट कोहली

» बीसीसीआई ने बताया- निजी कारणों के चलते नाम वापस लिया

» रिप्लेसमेंट का ऐलान जल्द होगा

मुंबई,22 जनवरी 2024। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इंग्लैंड के खिलाफ 25 जनवरी से शुरू हो रही 5 टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले 2 मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। उन्होंने निजी कारणों से अपना नाम वापस लिया है।

बीसीसीआई ने सोमवार को बताया कि विराट कोहली ने कप्तान रोहित शर्मा, सिलेक्टर्स और टीम मैनेजमेंट से बात की और कहा- उन्होंने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहे, लेकिन कुछ व्यक्तिगत परिस्थितियां उनकी उपस्थिति और पूरे ध्यान की मांग करती हैं। बोर्ड उनके फैसले का सम्मान करता है और बोर्ड और टीम प्रबंधन ने स्टार बल्लेबाज को समर्थन दिया है और टीम के बाकी सदस्यों की टेस्ट सीरीज में सराहनीय प्रदर्शन करने की क्षमताओं पर भरोसा है। सिलेक्शन कमेटी जल्द ही उनके रिप्लेसमेंट का ऐलान करेगी। टेस्ट सीरीज 25 जनवरी से शुरू होगी। इसका पहला मुकाबला हैदराबाद में खेला जाएगा।

हैदराबाद में प्रैक्टिस कर रहीं दोनों टीमें,इंग्लैंड एक दिन पहले पहुंची

ओपनिंग टेस्ट से पहले दोनों टीमें हैदराबाद में अभ्यास कर रही हैं। इंग्लैंड की टीम एक दिन पहले रविवार की रात हैदराबाद पहुंची है। इससे पहले, इंग्लैंड ने अब धाबी में भारत जैसी पर अभ्यास किया था। वहां तेज गेंदबाज ओली रॉबिंसन भारतीय पेसर मोहम्मद शमी के वीडियो देखकर सीधी स्वीम की बॉलिंग सीख रहे थे।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भी नहीं पहुंचे कोहली

कोहली सोमवार को अयोध्या में आयोजित श्रीरामलाल प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में भी नहीं पहुंचे। उनके आने की चर्चाएं थीं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। समारोह के लिए पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी,भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को आमंत्रित किया गया था, लेकिन ये तीनों समारोह में हिस्सा लेने के लिए नहीं आए।

पिछली सीरीज में 2-2 से ड्रॉ खेला था

इंग्लैंड ने इससे पहले 2021 में भारत का दौरा किया था। तब 5 मैचों की सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही थी। पिछली 5 सीरीज की बात करें तो दोनों टीमों ने 2-2 सीरीज जीती हैं, जबकि एक ड्रॉ रही है।

डब्ल्यूटीसी के लिहाज से अहम है यह सीरीज

यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से अहम है। अभी भारतीय टीम चैंपियनशिप के पॉइंट्स टेबल के दूसरे स्थान पर है, जबकि इंग्लैंड 7वें नंबर पर है।

22 मार्च से आईपीएल 2024 की शुरुआत होगी

26 मई को खेला जाएगा टूर्नामेंट का फाइनल

मेलबर्न,22 जनवरी 2024। इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल के 17वें सीजन की शुरुआत कब होगी और किस दिन फाइनल खेला जाएगा, ये जानकारी सामने आ गई है। इसके साथ-साथ ये बात भी पता चल गई है कि वुमेंस प्रीमियर लीग यानी आईपीएल की शुरुआत कब से होगी और महिलाओं के इस टूर्नामेंट का फाइनल कब खेला जाएगा। लोकसभा चुनाव और टी20 वर्ल्ड कप 2024 की वजह से आईपीएल 2024 मई के आखिरी सप्ताह में समाप्त होगा। क्रिकबज की रिपोर्ट की मानें तो आईपीएल 2024 की शुरुआत 22 मार्च से होगी, जबकि टूर्नामेंट का फाइनल 26 मई को खेला जाएगा। डब्ल्यूपीएल की बात करें तो ये टूर्नामेंट 22 फरवरी से शुरू होकर 17 मार्च तक चलेगा। हालांकि, वेन्यू और अन्य जानकारी लोकसभा चुनावों के ऐलान के बाद सामने आएगी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 से कुछ ही दिन पहले तक आईपीएल चलेगा, लेकिन अच्छी बात ये है कि भारत के मैच 5 जून से शुरू होंगे।डब्ल्यूपीएल 2024 के लिए बेंगलुरु और दिल्ली को फाइनल किया गया है, लेकिन आईपीएल 2024 के लिए अभी कुछ भी तय नहीं है। आधिकारिक रूप से आईपीएल 2024 के ओपनिंग मैच और फाइनल मैच की डेट एक दो दिन में सामने आ जाएगी। आईपीएल के शेड्यूल को लोकसभा चुनावों के शेड्यूल के बाद जारी किया जाएगा। जिस-जिस शहर में आईपीएल के मैच होंगे, उसके आस-पास चुनाव नहीं होने चाहिए। ऐसा शेड्यूल बोर्ड तैयार करेगा।

बीसीसीआई को अधिकांश क्रिकेट बोर्डों से आश्वासन मिल चुका है कि उनके खिलाड़ी फाइनल तक उपलब्ध रहेंगे। हालांकि, यह देखते हुए कि टी20 विश्व कप 1 जून से शुरू हो रहा है, कुछ खिलाड़ियों के जल्दी जाने से इनकार नहीं किया जा सकता है, लेकिन इस स्तर पर, बीसीसीआई की पहली और सबसे बड़ी चिंता शेड्यूल को आम चुनावों के साथ संरेखित करना और लीग को भारत में आयोजित करना है।

संक्षिप्त खेल समाचार

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच खेलेंगे उस्मान ख्वाजा

ब्रिस्बेन,22 जनवरी 2024। ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को वेस्टइंडीज के खिलाफ गाबा में 25 जनवरी से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में खेलने की मंजूरी दे दी गई है।एडिलेड में श्रृंखला के शुरुआती मैच में चोट लगने के बाद उन्होंने सभी प्रोटोकॉल को पूरा कर लिया है। एडिलेड ओवल में जहां ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को दस विकेट से हराया। उस्मान ख्वाजा को डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाज शमर जोसेफ की एक शॉर्ट गेंद हेलमेट पर लगी और उन्हें जीत के लिए आवश्यक एक रन के साथ रिटायर हर्ट होना पड़ा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के एक बयान में कहा गया, उस्मान ख्वाजा को ब्रिस्बेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच खेलने के लिए मंजूरी दे दी गई है।

ब्रिस्बेन में डे-नाइट टेस्ट के लिए ख्वाजा की उपलब्धता को मंजूरी मिलने का मतलब है कि ऑस्ट्रेलिया प्लेइंग-11 में बिना किसी बदलाव के साथ मैदान में उतर सकती है। अगर हीट बुधवार को सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ होने वाले बीबीएल फाइनल में पहुंचती है, तो रेनशॉ खिताबी मुकाबले में शामिल हो सकते हैं, जो ब्रिस्बेन टेस्ट शुरू होने से ठीक एक दिन पहले शुरू होगा। ब्रिस्बेन में जीत से ऑस्ट्रेलिया का अंतरराष्ट्रीय घरेलू समर में जीत का रिकॉर्ड 5-0 हो जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया टेस्ट टीम: पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, मैथ्यू रेनशॉ, स्टीव स्मिथ और मिचेल स्टार्क।

दिल्ली दो स्वर्ण पदक जीत कर दूसरे स्थान पर पहुंचा

चेन्नई,22 जनवरी 2024। मेजबान तमिलनाडु और दिल्ली ने खेलो इंडिया युवा खेलों के दूसरे दिन यहां दो-दो जबकि पंजाब,गुजरात,चंडीगढ़ और मणिपुर ने एक-एक स्वर्ण पदक जीता। तमिलनाडु की नव्या ने लड़कियों के पारंपरिक योग में दिन का पहला स्वर्ण पदक हासिल किया। तमिलनाडु की तरफ से दूसरा स्वर्ण पदक तलवारबाज अर्लिन एवी ने जीता। इससे तमिलनाडु चार स्वर्ण पदक और दो कांस्य पदक लेकर तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। दिल्ली ने जूडो में दांव पर लगे पांच स्वर्ण पदक में से दो अपनी झोली में डाले जिससे वह पदक तालिका में तमिलनाडु के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गया। दिल्ली की तन्नू मान ने लड़कियों के 48 किग्रा भार वर्ग जबकि अनुराग सागर ने लड़कों के 55 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीते।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 13 सदस्यीय वनडे टीम की घोषणा की

नई दिल्ली,22 जनवरी 2024। ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ 13 सदस्यीय वनडे टीम की घोषणा की, जिसमें ग्लेन मैक्सवेल को आराम दिया गया है और झाय रिचर्डसन चोट के कारण बाहर हो गए हैं।

हालाँकि, युवा बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क और अनकैप्ड स्पीडस्टर जेवियर बार्टलेट को ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम में बुलाया गया है।

फ्रेज़र-मैकगर्क को ऑस्ट्रेलिया के सबसे प्रतिभाशाली बल्लेबाजों में से एक माना जाता है। 21 वर्षीय खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया में इस सीज़न की शुरुआत में मार्श कप में 29 गेंदों में विश्व-रिकॉर्ड शतक लगाया और मैक्सवेल की जगह उन्हें बुलाया गया।मौजूदा बिग बैश लीग (बीबीएल) में, फ्रेजर-मैकगर्क मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए खेल रहे हैं, जहां उन्होंने पहला प्रथम श्रेणी शतक बनाया और 158.64 की स्ट्राइक रेट

के साथ 257 रन बनाए। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार, मैक्सवेल को वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 आईसे पहले कार्यभार का प्रबंधन करने के लिए आराम दिया गया था।डेविड वार्नर के संन्यास के बाद मैट शॉर्ट को ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए ओपनिंग करने का मौका मिलने की संभावना है। इस बीच, लांस मॉरिस ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं।

ऑल-फॉर्मेट ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज कप्तान पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और जोश हेज़लवुड को तीन वनडे मैचों के लिए आराम दिया गया है। टीम में कमिंस की अनुपस्थिति में स्टार बल्लेबाज स्टीवन स्मिथ कैरेबियन के खिलाफ टीम का नेतृत्व करेंगे। इस बीच, ऑलराउंडर मिशेल मार्श को भी 50 ओवर की सीरीज के लिए आराम दिया गया है।

ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज क्रमशः ब्रिस्बेन, सिडनी और कैनबरा में 2 फरवरी से शुरू होकर 6 फरवरी तक चलेगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम- स्टीवन स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मार्नस लाबुशेन, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, लांस मॉरिस, मैट शॉर्ट, एडम ज़म्पा

इंग्लैंड सीरीज के बाद यशस्वी खुद को टेस्ट टीम में स्थापित कर लेंगे

नई दिल्ली,22 जनवरी 2024। इंग्लैंड के खिलाफ बहुप्रतीक्षित टेस्ट श्रृंखला की अगुवाई में, भारत के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल पर भरोसा जताते हुए कहा है कि यह युवा खिलाड़ी इंग्लैंड श्रृंखला के अंत तक भारतीय टेस्ट टीम में अपनी स्थिति मजबूत कर लेगा।

भारत और इंग्लैंड 25 जनवरी को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में पहले मैच के लिए आमने-सामने होंगे। भारत का लक्ष्य इंग्लैंड के खिलाफ अपने प्रभावशाली घरेलू रिकॉर्ड को आगे बढ़ाना है, जिसने 2020/21 में 3-1 और 2016 में 4-0 से जीत हासिल की थी। गावस्कर ने बाएं हाथ के बल्लेबाज की घरेलू परिस्थितियों के अनुकूल ढलने की क्षमता का हवाला देते हुए, जयसवाल के प्रदर्शन पर आशावाद व्यक्त किया। यशस्वी जयसवाल घरेलू परिस्थितियों में आसानी से जम जाएंगे। वह भी बाएं हाथ के खिलाड़ी हैं. मुझे लगता है कि इस सीरीज के बाद वह खुद को भारतीय टेस्ट टीम में पूरी तरह से स्थापित कर लेंगे।÷ गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स को बताया। 74 वर्षीय ने अपना ध्यान श्रेयस अय्यर की ओर भी लगाया और उम्मीद जताई कि बल्लेबाज इंग्लैंड के खिलाफ चमकेंगे। भारत के लिए 12 टेस्ट मैचों में 39.27 की औसत से 707 रन बनाने वाले अय्यर के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालिया संघर्ष ने चिंता बढ़ा दी है। गावस्कर ने विश्व कप के दौरान भारतीय पिचों पर अय्यर के शानदार प्रदर्शन को याद करते हुए टेस्ट सीरीज में यशस्वी से भी ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद जताई है।

रोहन बोपन्ना-मैथ्यू एबडेन की जोड़ी पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में पहुंची

मेलबर्न,22 जनवरी 2024। रोहन बोपन्ना और मैथ्यू एब्डेन की जोड़ी ने दो सेटों के कड़े मुकाबले में वेस्ले कूलहोफ और निकोला मेक्टिक को 7-6 (8), 7-6 (4) से हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली।) सोमवार को मेलबर्न पार्क में।कूलहोफ-मेक्टिक ने शुरुआती पहल की और शुरुआती सेट के दूसरे गेम की शुरुआत में ही 43 वर्षीय बोपन्ना की सर्विस तोड़कर बढ़त हासिल कर ली। बढ़त की भरपाई करने के लिए, भारत-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने सातवें गेम में पलटवार करते हुए मेक्टिक की सर्विस तोड़ दी।सेट अंततः बराबरी पर

जाने के बाद बोपन्ना-एबडेन की विशेषज्ञता ने उन्हें टाईब्रेकर में 10-8 से जीत दिलाने में मदद की।दूसरे समूह ने भी इसी पैटर्न का पालन किया। छठे गेम में कूलहोफ-मेक्टिक ने एक बार फिर बोपन्ना की सर्विस तोड़कर पहला ब्रेक प्वाइंट हासिल किया। स्कोर 6-6 से बराबर था जब आठवीं पारी में बोपन्ना और एबडेन ने मेक्टिक की सर्विस तोड़ दी।एक घंटे और तैंतालीस मिनट में बोपन्ना-एबडेन टाई-ब्रेक सेट में विजयी हुए और क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।बोपन्ना और एबडेन अपने अंतिम-आठ मुकाबले में मैक्सिमो गोंजालेज और एंड्रेस मोल्टेनी की छठी वरीयता प्राप्त अर्जेंटीना की जोड़ी से भिड़ेंगे।

पाकिस्तान क्रिकेट की बदहाली के लिए इंजमाम ने जका अशरफ को ठहराया जिम्मेदार

करांची,22जनवरी 2024। पाकिस्तान क्रिकेट में लगातार चल रहे हंगामे के बीच पूर्व चयनकर्ता इंजमाम उल हक का बयान आया है। दरअसल, वर्ल्ड कप 2023 में पाकिस्तान के खराब परफॉर्मेंस के लिए इंजमाम ने पूर्व पीसीबी जका अशरफ को जिम्मेदार ठहराया है। जुलाई में पीसीबी के संचालन के लिए अंतरिम प्रबंधन समिति के प्रमुख बनाए गए जका ने कुछ दिन पहले समिति की एक बैठक में घोषणा की थी कि वह अध्यक्ष और बोर्ड के सदस्य के रूप में तुरंत इस्तीफा दे रहे हैं। इंजमाम को टूर्नामेंट की समाप्ति के बाद 'हितों के टकराव' के आरोपों के कारण हटा दिया गया था। उन पर आरोप था कि उनका प्रबंधन ब्रिटेन स्थित कंपनी द्वारा किया जाता है जो कुछ सक्रिय खिलाड़ियों के व्यावसायिक हितों को भी देखती है। इंजमाम ने एक पाकिस्तानी टीवी चैनल से कहा, ''क्या आप खिलाड़ियों की मानसिकता की कल्पना कर सकते हैं जब भारत में विश्व कप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट के दौरान वे सुनते हैं कि पीसीबी अध्यक्ष कह रहे हैं कि टीम का चयन बोर्ड द्वारा नहीं बल्कि कप्तान और मुख्य चयनकर्ता द्वारा किया गया है।''

थ्रिलर ड्रामा 'ग्यारह ग्यारह' और 'फॉर योर आइज ओनली' में नजर आएंगी कृतिका कामरा

अभिनेत्री कृतिका कामरा अपनी आगामी थ्रिलर ड्रामा 'ग्यारह ग्यारह' और 'फॉर योर आइज ओनली' को लेकर पूरी तरहे से तैयार हैं। इसको लेकर उन्होंने कहा कि यह उनके लिए एक बड़ा अनुभव है। पिछले साल अभिनेत्री ने 'बंबई मेरी जान' में एक महिला गैंगस्टर की भूमिका निभाकर अपने प्रशंसकों को खुश कर दिया था। अब, वह एक बार फिर सीमाएं लांघने के लिए तैयार हैं। कृतिका ने कहा, मुझे उन परियोजनाओं को चुनने में अत्यधिक संतुष्टि मिलती है जो उम्मीद से अलग होती हैं, ऐसे प्रोजेक्ट जो मुझे लोगों की अपेक्षाओं के दायरे से कहीं आगे ले जाते हैं। इस वर्ष मैं जिन परियोजनाओं पर काम कर रही हूं, विशेष रूप से थ्रिलर, वे मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखती हैं। अभिनेत्री ने कहा, मैं जिन थ्रिलर्स का हिस्सा बनने जा रही हूं, वे केवल स्क्रिप्ट नहीं हैं। वे गहन अनुभव हैं जो मुझे चरित्र, भावना और रहस्य की बारीकियों का पता लगाने की चुनौती देते हैं। अभिनेत्री ने आगे बताया कि उनके करियर का यह आगामी अध्याय केवल प्रदर्शन देने के बारे में नहीं है। उन्होंने कहा, यह कहानी कहने की परिवर्तनकारी शक्ति में खुद को डुबोने के बारे में है। यह सीमाओं को आगे बढ़ाने, अपेक्षाओं को धता बताने और मेरी कला के उन आयामों को उजागर करने के बारे में है जिन्हें शायद मैं भी अभी तक पूरी तरह से उजागर नहीं कर पाई हूं।

एविक्शन के बाद आयशा खान ने शेयर किया इमोशनल पोस्ट

जैसे-जैसे विवादास्पद रियलिटी शो, बिग बॉस 17 अपने ग्रैंड फिनाले के करीब पहुंच रहा है, बचे हुए प्रतियोगियों के बीच प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। हाल ही में,आयशा खान और ईशा मालविया ने बिग बॉस के घर से विदाई ली, जिससे प्रतिस्पर्धा शीर्ष6 फाइनलिस्टों तक सीमित हो गई। अपने निष्कासन के बाद, आयशा खान ने सोशल मीडिया पर अपनी पहली पोस्ट साझा की, जिसमें उन्होंने अपने समर्थकों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में और अधिक आने का संकेत दिया। अपनी हार्दिक पोस्ट में, आयशा खान ने बिग बॉस के घर के भीतर अपनी चुनौतीपूर्ण यात्रा को प्रतिबिंबित करते हुए इसे भावनात्मक रोलर कोस्टर बताया। उन्होंने पूरे शो के दौरान अपने प्रशंसकों से मिले जबरदस्त समर्थन और प्यार के लिए आश्चर्य और आभार व्यक्त किया। आयशा ने स्वीकार किया कि उनकी यात्रा उनके अनुयायियों के अटूट समर्थन के बिना संभव नहीं होती। आयशा खान की पोस्ट में लिखा है, यह एक कठिन यात्रा रही है, एक भावनात्मक रोलर कोस्टर, लेकिन जिस तरह से आप लोगों ने मेरा समर्थन किया है और मुझे प्यार किया है, उससे मैं बहुत आश्चर्यचकित हूं। यह आप सभी के बिना बिल्कुल भी संभव नहीं था। आपके प्यार के लिए आभारी और ऋणी हूं।

आमिर फरवरी में शुरू करेंगे इन 2 फिल्मों की शूटिंग

सुपरस्टार आमिर खान की बेटी इरा नुपुर शिखारे की हाल ही में शादी हुई है। इसके बाद आमिर ने 13 जनवरी को मुंबई में एक भव्य रिसेप्शन का आयोजन किया। आमिर अब अपनी बड़ी जिम्मेदारियों से मुक्त हो गए हैं और दोबारा एक्टिंग शुरू करेंगे। आमिर की पिछली फिल्म लाल सिंह चड्ढा थी, जो 2022 में रिलीज हुई थी। बड़े पर्दे पर उनकी वापसी का अभी भी इंतजार था। इसी बीच आमिर के फैंस के लिए एक अच्छी खबर हैखबर है कि आमिर फरवरी से सितारे जमीन पर की शूटिंग शुरू करेंगे। इसके अलावा जानकारी मिली कि आमिर ने सनी देओल के साथ फिल्म लाहौर 1947 के निर्माता के रूप में काम किया था।

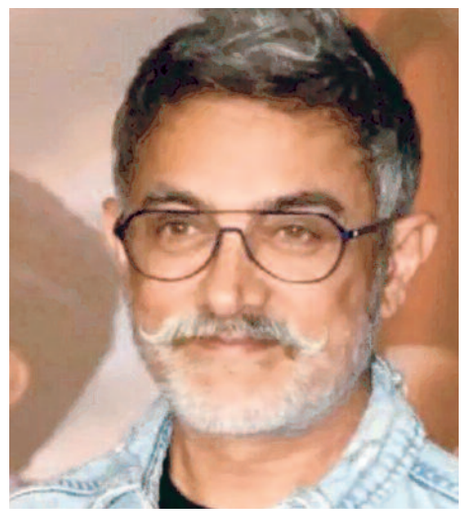

महेश बाबू ने रामलला के 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह पर शुभकामनाएं दीं

अभिनेता महेश बाबू ने सोमवार को अयोध्या में राम लला की 'प्राण प्रतिष्ठा' के विशेष अवसर पर अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एक्स को लिखा और लिखा, इतिहास की गूंज और आस्था की पवित्रता के बीच, अयोध्या में राम मंदिर का भव्य उद्घाटन एकता और आध्यात्मिकता का एक कालातीत प्रतीक है। इतिहास को सामने आते देखकर बेहद गर्व महसूस हो रहा है! इस बीच, काम के मोर्चे पर, महेश बाबू को आखिरी बार त्रिविक्रम श्रीनिवास द्वारा निर्देशित 'गुंटूर करम' में देखा गया था। विशेष रूप से, भव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण पारंपरिक नागर शैली में किया गया है। इसकी लंबाई (पूर्व-पश्चिम) 380 फीट है; चौड़ाई 250 फीट और ऊंचाई 161 फीट है; और यह कुल 392 स्तंभों और 44 दरवाजों द्वारा समर्थित है। मंदिर के स्तंभों और दीवारों पर हिंदू देवी-देवताओं और देवियों के जटिल चित्रण प्रदर्शित हैं। भूतल पर मुख्य गर्भगृह में भगवान श्री राम के बचपन के स्वरूप (श्री रामलला की मूर्ति) को रखा गया है। मंदिर का मुख्य प्रवेश द्वार पूर्वी दिशा में स्थित है, जहाँ सिंह द्वार के माध्यम से 32 सीढ़ियाँ चढ़कर पहुंचा जा सकता है।

कैटरीना कैफ गोल्डन सिल्क साड़ी पहन अयोध्या पहुंची

इनमें बॉलीवुड की सबसे हॉट जोड़ी कैटरीना कैफ और विक्की कौशल भी शामिल हैं। कैटरीना कैफ और विक्की कौशल को आज अयोध्या जाते हुए देखा गया। हमेशा की तरह इस कपल ने अपने फैशन स्टेटमेंट से सभी को हैरान कर दिया. पारंपरिक भारतीय परिधान में दोनों बेहद खूबसूरत लग रहे थे।. उनका एक-दूसरे के प्रति प्यार भी साफ देखने को मिला.। विक्की और कैटरीना राम मंदिर को लेकर खासे उत्साहित थे। विक्की कौशल ने पारंपरिक शेरवानी पोशाक में राम मंदिर के दर्शन किए। वह सफेद शेरवानी में और बालों को पोनीटेल में बांधे हुए बेहद खूबसूरत लग रही थीं। अभिनेत्री ने भूरे रंग के जूते और गले में मैचिंग दुपट्टे के साथ लुक को पूरा किया। राम मंदिर पुराण प्रतिष्ठा समारोह में जोड़े ने पारंपरिक भारतीय पोशाक में सभी को प्रभावित किया।

CMYK

सीएम साय ने शिवरीनारायण में भगवान नर नारायण की पूजा

अखंड रामायण पाठ में हुए शामिल, कहा-स्वर्णाक्षरों से लिखा जाएगा आज का दिन

» अयोध्या की तरह प्रभु श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ में उत्सव का वातावरण

» चंदखुरी स्थित कौशल्या धाम में विशेष डाक टिकट का विमोचन

» राम भक्ति में सराबोर दुल्हन की तरह सजाई गई संस्कारधानी जगदलपुर

रायपुर,22 जनवरी,2024(ए)। मुख्यमंत्री के साथ ओम माथुर, गौसेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष राजेश्री महंत, डॉ रामसुंदर दास भी पहुंचे। सभी अतिथियों का स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का शिवरीनारायण पहुंचने पर हेलीपैड में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और ग्रामवासियों ने आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री बनने के बाद साय का पहला जांजगीर-चांपा जिला आगमन है। मुख्यमंत्री श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में हो रहे कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री के साथ ओम माथुर, गौसेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष राजेश्री महंत, डॉ रामसुंदर दास भी पहुंचे। सभी अतिथियों का स्वागत किया गया।

श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शिवरीनारायण स्थित भगवान नर नारायण मंदिर में दर्शन पूजन किया। मुख्यमंत्री ने भगवान नर नारायण की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

अयोध्या में श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा के गौरवशाली क्षण में राममय है माता शबरी की भूमि शिवरीनारायण। त्रेता युग में इसी भूमि में श्रीराम को जूठे बेर माता शबरी ने खिलाये थे। आज शिवरीनारायण की धरती वैसी ही पुलकित है। आज श्रीराम पुनः अयोध्या धाम में पधारे हैं। आज इस शुभ क्षण को देखने शिवरीनारायण के हजारों लोगों की उपस्थिति दूर तक दिख रही है।

शुभ शंखनाद और राम रतन धन पायो के स्वर लहरियों के साथ श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा के विलक्षण पल के साक्षी बन रहे हजारों लोग। जय जय श्रीराम का हो रहा लगातार उद्घोष। पायो जी मैंने राम रतन धन पायो की इस धुन में छत्तीसगढ़ का तंबूरा भी शामिल है। भगवान श्रीराम के दर्शन मात्र से सभी लोग धन्य हो गये हैं। भगवान श्रीराम के इस अद्भुत रूप को देखकर सभी मुग्ध हैं। खुशी का पारावार नहीं है। आज भारत के लोगों के लिए छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए ऐतिहासिक दिन है। शिवरीनारायण के इस पवित्र धाम से यह सुंदर दृश्य निहारना लोगों को चमत्कृत कर रहा है।

माता शबरी धैर्य और भक्ति का प्रतीक हैं। उनके इस पवित्र शिवरीनारायण धाम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज अयोध्या धाम में होने वाले श्री रामलला प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम के अवसर पर पहुँचे हैं। जिस तरह माता शबरी बरसों तक तपस्या कर श्रीराम का रास्ता निहारती रहीं। उसी तरह श्रीराम के ननिहाल के लोग छत्तीसगढ़ के निवासी भी श्रीराम का रास्ता बरसों से ताक रहे हैं। श्रीराम की प्राणप्रतिष्ठा होने के बाद अब प्रदेश के करोड़ों लोगों को गहरे आनंद का अनुभव होगा। माता शबरी प्रतीक हैं छत्तीसगढ़ के लोगों के अपने भांजे श्रीराम के प्रति गहरे स्नेह की। अपनी भक्ति में उन्होंने जूठे बेर श्रीराम को खिलाए। आज सभी छत्तीसगढ़वासी राम भक्ति का स्वाद चख रहे हैं और इस शुभ अवसर पर बहुत पुलकित हैं।

संस्कृति मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल ने आज श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर राजधानी रायपुर के विभिन्न धार्मिक स्थलों में की पूजा-अर्चना

धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल आज अयोध्या में श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पावन अवसर में राजधानी रायपुर के विभिन्न धार्मिक स्थलों में आयोजित रामोत्सव समारोह में शामिल हुए। मंत्री श्री अग्रवाल दूधाधारी मठ स्थित राम दरबार, सदर बाजार स्थित मंदिर एवं आकाशवाणी चौक स्थित काली मंदिर में पूजा-अर्चना की और समस्त प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धालुओं को रामोत्सव की बधाई देते हुए मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया। साथ ही उन्होंने प्रदेश की जनता से आह्वान किया कि सभी अपने घरों में दिया जलाएं और दीपावली जैसा उत्सव मनाएं।

5 हजार किलो बेर से बनाई प्रभु श्रीराम की अद्भुत रंगोली,विश्व रिकार्ड में दर्ज

श्री राम के प्रति समर्पण और आस्था का जज्बा देखने के मिला । किसी ने पूजा अर्चना कर दिन की शुरआत की तो किसी ने रंगोली बनाकर आस्था व्यक्त की। एक खास कलाकार ने भी प्रभु श्री राम के प्रिय भोग बेर से ही रंगोली बनाकर वर्ल्ड रिकार्ड बना लिया।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव आज लोरमी दौरे पर हैं। इस दौरान श्री रामलला के नवीन मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को चिर स्थाई बनाने के लिए कलाकारों ने 5 हजार स्क्वायर फीट जमीन पर 5 हजार किलो बेर से श्रीराम की अनोखी रंगोली बनाई है।

छत्तीसगढ़ श्रीराम जी का ननिहाल माना जाता है। आज अयोध्या में श्री राम जी के प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर मुंगेली जिले के लोरमी में भी खासा उत्साह देखा गया। जगह-जगह लोगों ने इस ऐतिहासिक पल को यादगार बनाने के लिए अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम किए। कई स्थानों पर कलश यात्रा सहित शोभायात्रा निकाली जा रही है, वही श्रीराम के कई मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम आयोजित है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव द्वारा आमंत्रित कलाकारों की टीम ने लोरमी हाईस्कूल मैदान में 5 हजार किलो से बेर की श्रीराम की रंगोली बनाई है। जो एक अलग ही आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।साव के दौरे के दौरान श्रीराम के नवीन मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के अलावा कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया है। इस दौरान राम मंडलियों को जिला प्रशासन की पहल से अरुण साव के हाथों वाद्य यंत्र भी प्रदान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 127 वीं जयंती पर उन्हें किया नमन

रायपुर,22 जनवरी 2024 (ए)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्वतंत्रता संग्राम के महानायक और आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 23 जनवरी को उनकी 127वीं जयंती पर उन्हें नमन किया है। श्री साय ने कहा है कि नेताजी ने भारत की आजादी के लिए कठिन संघर्ष किया और ''तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा'' जैसे नारों से देशवासियों में नये जोश का संचार किया। उन्हें आजादी के लिए लड़ने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया। नेताजी ने आजाद हिंद फौज का गठन कर स्वाधीनता आंदोलन को नई दिशा प्रदान की। भारत की स्वतंत्रता के लिए किए गए संघर्ष और अतुल्य योगदान के लिए नेताजी सदैव याद किए जाएंगे।

रायपुर में विश्व की सबसे बड़ी धान से बनी प्रभु श्रीराम की रंगोली

» राम के वेशभूषा में निकले 501 बच्चे, बना वर्ल्ड रिकार्ड

» 51 कलाकारों ने तीन दिन में 7500 किलो धान से तैयार की है रंगोली

» भगवान राम की वेशभूषा में निकले 501 बच्चे

» भेंट की गई राम नाम लिखा 2000 मीटर का गमछा

रायपुर,22 जनवरी 2024 (ए)। राजधानी रायपुर के साइंस कालेज मैदान में धान से भगवान राम की रंगोली बनाई गई है। रंगोली में भगवान श्री राम का सौम्य चेहरा दिखाई दे रहा है। इस रंगोली को 51 कलाकरों ने लगभग 7500 किलो धान व चावल से तैयार किया है।

छत्तीसगढ़ राष्ट्रवादी संघ के तत्वाधान में यह रंगोली बनाई गई है। संयोजक वीरेंद्र दुबे ने बताया कि रंगोली की लंबाई और चौड़ाई लगभग 19600 स्केवयर फीट है।

अंतरराष्ट्रीय रंगोली कलाकार प्रमोद साहू की टीम ने तीन दिन में अपने साथियों के साथ यह रंगोली तैयार की है। धान का विभिन्न रंगों में रंगकर किया गया है। वीरेंद्र दुबे ने दावा किया है कि यह धान से बनी विश्व की सबसे बड़ी रंगोली है। रंगोली को विश्व रिकार्ड में शामिल करने के लिए आवेदन भेजा गया है। बिंदुओं की जांच के बाद ये रंगोली विश्व के सबसे बड़ी धान की रंगोली के विश्व रिकार्ड में शामिल हो जाएगी।

501 बच्चे प्रभु राम के वेशभूषा में, यह भी बना विश्व रिकार्ड

इसके साथ ही छग राष्ट्रवादी संघ की ओर से शोभायात्रा भी निकाली गई। शोभायात्रा में 501 बच्चे प्रभु राम की वेशभूषा में शामिल हुए। बाजे-गाजे के साथ शोभायात्रा साइंस कालेज मैदान से वीआइपी रोड स्थित राम मंदिर तक पहुंची। शोभायात्रा राजधानी के जिस भी सड़क से गुजरी वह जय श्री राम... के जयघोष से गूंज उठा। पूरा सड़क भगवामय नजर आ रहा था। भगवान राम के साथ कई बच्चे माता सीता, भइया लक्ष्मण और भक्त हनुमान की वेशभूषा में गदा लिए पहुंचे थे।

वीरेंद्र दुबे ने बताया कि शोभायात्रा को भी विश्व रिकार्ड में शामिल करने के लिए आवेदन भेजा जाएगा। इसके साथ एक और रिकार्ड गमछे का बनने जा रहा है। उन्होंने बताया कि विश्व का सबसे बड़ा गमछा लगभग 2000 मीटर का तैयार किया गया है। गमछे में जय श्री राम लिखा हुआ है।

कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा को रोकने के मामले में मौन प्रदर्शन करेगी

रायपुर,22 जनवरी 2024 (ए)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को असम में रोकने की कोशिश के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने छत्तीसगढ़ के सभी जिला मुख्यालयों में असम के मुख्यमंत्री का पुतला दहन करने की घोषणा की थी। अब इस कार्यक्रम में तब्दीली करते हुए मौन प्रदर्शन करने का ऐलान किया गया है।पीसीसी अध्यक्ष द्वारा सभी जिलों के कांग्रेस समितियों को जारी पत्र में कहा गया है कि पुतला दहन के कार्यक्रम को संशोधित करते हुए जिला स्तरीय मौन प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत आज शाम 5 बजे सभी जिला मुख्यालयों में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और पदाधिकारियों सहित कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में मौन प्रदर्शन करते हुए विरोध दर्ज कराया जाये।

बीजेपी नेता की हत्या के आरोपी पार्षद के खिलाफ प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

» 3 करोड़ के अवैध होटल को बुलडोजर चलाकर किया ध्वस्त

कांकेर,22 जनवरी 2024 (ए)। पखांजूर नगर पंचायत के भाजपा नेता असीम राय की हत्या के आरोपी पार्षद विकास पाल के अवैध होटल को आज बुलडोजर से ध्वस्त करने की कार्रवाई की जा रही हैं। बताया जा रहा है कि, यह होटल पार्षद ने अपने रसूख से बनवाया था, जिसकी कीमत 3 करोड़ रुपये बताई जा रही हैं। इस कार्रवाई के पहले पखांजूर पटवारी कार्यालय की ओर से सूचना पत्र भी जारी किया था और अब अवैध होटल को जमींदोज किया जा रहा है।

जिले में 7 जनवरी 2024 को हुई बीजेपी नेता असीम राय की हत्या के मामले का पुलिस ने बीते दिनों खुलासा किया था। पुलिस के मुताबिक इस हत्याकांड में असीम राय को मारने के लिए कांग्रेस नेता और नगर पंचायत अध्यक्ष बप्पा गांगुली ने 7 लाख की सुपारी दी थी। इस केस में 12 लोग शामिल थे, जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पार्षद ने शासकीय भूमि पर किया था... अतिक्रमण : एसडीएम

प्रशासन की इस कार्रवाई को लेकर पखांजूर एसडीएम ने बताया कि, पखांजूर नगर पंचायत की घास जमीन पर पार्षद विकास पाल ने अवैध तरीके से अतिक्रमण कर तीन मंजिला बिल्डिंग बनाई है। जिसमे होटल संचालित है और टेंट का कुछ सामान रखा हुआ है। हमने जांच कराई जिसमें शासकीय भूमि पर अतिक्रमण की पुष्टी हुई है। जिसके मद्देनजर अतिक्रमण हटाने के लिए यह कार्रवाई की जा रही है।

न्याय यात्रा के लिए छत्तीसगढ़ से धीरज गुर्जर और उषा नायडू को-ऑर्डिनेटर नियुक्त

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के लिए पीसीसी से करेंगे कॉर्डिनेट

रायपुर,22 जनवरी 2024 (ए)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के लिए कोऑर्डिनेटर्स की नियुक्ति की है। यह नियक्ति उन राज्यों के लिए की गई है। जहां से राहुल गांधी की न्याय यात्रा गुजरेगी। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में धीरज गुर्जर और उषा नायडू को कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया है, जो कि छत्तीसगढ़ में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के लिए पीसीसी से कॉर्डिनेट करेंगे।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू हुई भारत जोड़ो न्याय यात्रा 6200 किलोमीटर का सफर तय कर मुंबई में खत्म होगी। यात्रा छत्तीसगढ़ से होकर भी गुजरेगी। इस दौरान राहुल गांधी करीब पांच दिन तक छत्तीसगढ़ में रुकेंगे. छत्तीसगढ़ में 536 किलोमीटर की भारत जोड़ो न्याय यात्रा सात जिलों से होकर गुजरेगी। जिसका कांग्रेसीजन छत्तीसगढ़ में ऐतिहासिक स्वागत की तैयारी कर रहे हैं। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी प्रदेश में पांच बड़ी जनसभाएं अलग-अलग क्षेत्रों में करेंगे। कहीं बेरोजगारों की तो कहीं किसान, आदिवासी, अनुसूचित जाति वर्ग और महिलाओं की सभाएं होंगी।

नक्सलियों ने 23 को बस्तर और सरगुजा संभाग बंद करने फेंके पर्चे

रायपुर,22 जनवरी 2024 (ए)। नक्सलियों ने 23 जनवरी को छत्तीसगढ़ के बस्तर और सरगुजा संभाग में बंद का आह्वान किया है। बस्तर के बीजापुर जिले में क्रॉस फायरिंग में मासूम की मौत, हसदेव में जंगल कटाई और राम मंदिर का इस्तेमाल चुनाव में करने के विरोध में नक्सलियों ने बस्तर और सरगुजा संभाग बंद आह्वान किया है। नक्सली लीडर मंगली ने प्रेस नोट जारी कर राज्य और केंद्र सरकारों पर भी कई आरोप लगाए हैं।उत्तर सब जोनल ब्यूरो की प्रवक्ता और हार्डकोर नक्सली मंगली के प्रेस नोट में लिखा है कि, 1 जनवरी 2024 को मुदवेंडी गांव में पुलिस ने अंधाधुंध फायरिंग की थी। पुलिस की गोली लगने से ही 6 माह की मासूम की मौत हुई है। लेकिन पुलिस इसे क्रॉस फायरिंग बता रही है। बच्ची को न्याय दिलाने की मांग को लेकर लगातारा गांव वाले आंदोलन कर रहे हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)